केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जीवन में इतने बिजी रहिये कि पछतावा डर दुख नफरत के लिए टाइम

वर्ष : 16 अंक : 237 | उज्जैन, शुक्रवार 6 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

भारत को हिंदुत्व पर गर्व है और हिंदुत्व ही राष्ट्रत्व है : मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश की धरा से आदि शंकराचार्य जी का रहा है विशेष संबंध

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति को नए आयाम तक पहुंचाने में आदि शंकराचार्य का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। मध्यप्रदेश की धरा से आदि शंकराचार्य जी का विशेष संबंध रहा है। वैचारिक स्तर पर भारत को हिंदुत्व पर गर्व है, हिंदुत्व ही राष्ट्रत्व है। सनातन की धारा शाश्वत रूप से बहती रहे, इस उद्देश्य से संतवृंद और सरकार समन्वित रूप से प्रयासरत है। हरिद्वार में समन्वय सेवा ट्रस्ट द्वारा स्थापित भारत माता मंदिर समाज और राष्ट्र में ऊर्जा का संचार कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को हरिद्वार में समन्वय सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित गुरुदेव समाधि मंदिर मूर्ति स्थापना समारोह के अंतर्गत संत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

संत महात्माओं को दिया सिंहस्थ-2028 का निमंत्रण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदि शंकराचार्य जी की परंपरा के संवाहक, वैदिक सनातन संस्कृति के उन्नायक, देश के प्रथम भारत माता मंदिर के संस्थापक पद्मभूषण स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार भव्य और दिव्य सिंहस्थ के आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाओं और विकास कार्यों पर ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी संत महात्माओं को सिंहस्थ-2028 के लिए उज्जैन पधारने के लिए निमंत्रण दिया।

जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने कहा कि संतवृंद के आशीर्वाद से देश में पिछले वर्षों में हुआ बदलाव अद्भुत है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गया है और तेजी से एक विकसित राष्ट्र के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर, वॉटरवेज, हाई स्पीड रेल, हाईवेज से देश की युवा शक्ति और अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार मिली है। देश की बहनें, किसान, युवा सभी समावेशी विकास के मार्ग पर अग्रसर हैं। सांस्कृतिक समृद्धि, विरासत संरक्षण और धार्मिक पर्यटन में भी पूरे राष्ट्र में एक नई चेतना जागृत हुई है।

बिहार के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि संसार के दुखों का शमन केवल सत्संग से ही संभव है। हमारे प्राचीन ग्रंथ और संतों का साथ व्यक्ति को नया जीवन और दृष्टि देने में सक्षम है। संतगण वे आत्माएं हैं जिनके चरित्र शांत और उदार हैं। दूसरों का भला करने के उद्देश्य से ही संतगण की सभी गतिविधियों का संचालन होता है। भारत की पहचान सनातन से है, भारतीय संस्कृति ने मानवता का दिव्यकरण और दिव्यता का मानवीयकरण किया है। उन्होंने आदि शंकराचार्य के दर्शन पर भी अपने विचार रखें।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि संत, महात्मा और धर्मगुरु सनातन चेतना के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने संतवृंद का उत्तराखंड की भूमि पर स्वागत करते हुए कहा कि संत श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज ने देश की एकता और सांस्कृतिक समृद्धता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके विचार नई पीढ़ी के लिए आध्यात्मिक जागरण का आधार बनेंगे। मंचीय कार्यक्रम राष्ट्रगान जन-गण-मन के सामूहिक गान के साथ का सम्पन्न हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने योगगुरू स्वामी रामदेव जी के साथ किया योगाभ्यास- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार में योगगुरु स्वामी रामदेव जी के साथ योगाभ्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग आज भारत की प्राचीन परंपरा से निकलकर वैश्विक जन-आंदोलन बन चुका है। हम सभी योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और स्वस्थ, संतुलित व ऊर्जावान जीवन की ओर कदम बढ़ाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पतंजलि योगपीठ के वातावरण से प्रभावित होकर कहा कि योगपीठ का संस्कार, साधना और आत्मबल से परिपूर्ण वातावरण मन को अपार शांति प्रदान करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने योगगुरु स्वामी रामदेव जी के साथ हरिद्वार में भारत माता मंदिर में दर्शन, पूजन और यज्ञ में शामिल होकर सभी के मंगल एवं कल्याण की कामना की।

न्यूज ब्रीफ

69000 शिक्षकों की भर्ती मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से पूछा सवाल

नई दिल्ली/ जीएनएस। उत्तर प्रदेश में 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से पूछा है कि वह और कितने लोगों को समाहित कर सकती है, उसका ब्योरा दे। कोर्ट ने ये बात तब कही, जब आरक्षित वर्ग की ओर से कहा गया कि वे सामान्य वर्ग के उन लोगों को नौकरी से निकाले जाने की मांग नहीं कर रहे जिन्हें नौकरी मिल चुकी है और नौकरी कर रहे हैं। उनका अनुरोध है कि कोर्ट उनके मामले पर भी विचार करे, क्योंकि वे लोग 2020 से कोर्ट का चक्कर काट रहे हैं। वे हाई कोर्ट में याची थे और सुप्रीम कोर्ट में प्रतिवादी हैं। इस अनुरोध पर कोर्ट ने प्रदेश सरकार से 10 दिन में ब्योरा देने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से मांगा ब्योरा ये निर्देश जस्टिस दीपांकर दत्ता और एजी मसीह की पीठ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश में 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती मामले में सुनवाई के दौरान दिए। ज्ञातव्य हो कि उत्तर प्रदेश सरकार ने 2018 में 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती की अधिसूचना निकाली थी। इस मामले में हाई कोर्ट ने चयन सूची रद करके राज्य सरकार को नए सिरे से सूची बनाने का आदेश दिया था, जिसके खिलाफ अनारक्षित वर्ग के नौकरी पा चुके अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल की है। दूसरी तरफ आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने अर्जियां दाखिल की हैं और वे सामान्य वर्ग की याचिका में प्रतिवादी हैं। आरक्षित वर्ग के समायोजन पर सवाल उठाया- सुप्रीम कोर्ट ने शुरुआती सुनवाई में हाई कोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। बुधवार को यह मामला जस्टिस दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई पर लगा था। सुनवाई के दौरान आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मनीष गोस्वामी ने कहा कि इस भर्ती में आरक्षित वर्ग के साथ अन्याय हुआ है। वे लोग 2020 से न्याय मांग रहे हैं। पहले हाई कोर्ट में याची के तौर पर थे और अब सुप्रीम कोर्ट में प्रतिवादी हैं। अगली सुनवाई 20 फरवरी को होगी- गोस्वामी ने कहा कि वे नौकरी पा चुके सामान्य वर्ग के लोगों का विरोध नहीं कर रहे और न ही उनकी मांग है कि उन्हें नौकरी से बाहर निकाला जाए।

केरल-बिहार के बाद तमिलनाडु में बर्ड फ्लू का खतरा, चेन्नई में 1500 कौवों की मौत; हाई अलर्ट पर प्रशासन

नई दिल्ली/ जीएनएस। चेन्नई में इन दिनों कई इलाकों में 1,500 से अधिक कौवों की मौत को लेकर प्रशासन हाई अलर्ट पर है। केंद्र सरकार ने बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद तमिलनाडु प्रशासन को निगरानी और रोग-नियंत्रण उपायों को मजबूत करने का निर्देश दिया है। अडयार, गांधी नगर, पल्लीकरनई, वेलाचेरी, तिरुवनमियुर, ईस्ट कोस्ट रोड और ओल्ड महाबलीपुरम रोड (ओएमआर) सहित शहर के कई हिस्सों से अचानक मौतों की सूचना मिलने के बाद एक्शन लिया जा रहा है। शहर के लोगों ने कुछ दिनों से पक्षियों को सार्वजनिक स्थानों, पेड़ों और आवासीय क्षेत्रों में गिरते हुए देखा, जिससे नागरिक और पशु स्वास्थ्य अधिकारियों के बीच चिंता पैदा हो गई। इस घटना पर फौरन कार्रवाई करते हुए, कांचीपुरम की पशु रोग जांच टीम ने पिछले महीने मृत पक्षियों से नमूने इकठ्ठा किए। इन नमूनों को भोपाल में राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण संस्थान में प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजा गया। परीक्षण के परिणामों ने अब प्रभावित पक्षियों में एवियन इन्फ्लूएंजा यानी बर्ड फ्लू पाया। वायरस के अन्य जानवरों और, दुर्लभ मामलों में, मनुष्यों में फैलने के संभावित खतरे को देखते हुए, केंद्रीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर तत्काल और गहन एहतियाती कार्रवाई का आग्रह किया है। अधिकारियों को निगरानी बढ़ाने, प्रभावित क्षेत्रों में पक्षियों की आवाजाही को बैन करने और आगे प्रसार को रोकने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल लागू करने की सलाह दी गई है।

सरकार ने लॉन्च किया भारत टैक्सी, ओला-उबर को मिलेगी कड़ी टक्कर; ड्राइवर खुद होंगे मालिक

नई दिल्ली/ जीएनएस। सरकार ने देश में टैक्सी सेवा के क्षेत्र में एक नए सहकारी मॉडल की शुरुआत करते हुए भारत टैक्सी को लांच कर दिया है। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में इस प्लेटफार्म की औपचारिक शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यह सेवा न केवल ओला-उबर जैसी निजी कंपनियों को टक्कर देगी, बल्कि यात्रियों को सर्ज प्राइजिंग से राहत और ड्राइवरों को उनके श्रम का पूरा लाभ भी दिलाएगी।

भारत टैक्सी देश का पहला सहकारी आधारित राइड-हेलिंग प्लेटफार्म है, जिसे आठ सहकारी संस्थाओं एनसीडीसी, इफको, अमूल (जीसीएमएमएफ), कृभको, नेफेड, नाबार्ड, एनडीडीबी और एनसीईएल के सहयोग से तैयार किया गया है। इसे सहकार टैक्सी कोआपरेटिव लिमिटेड संचालित करेगी, जिसका पंजीकरण छह जून 2025 को मल्टी स्टेट कोआपरेटिव सोसायटीज एक्ट के तहत हुआ था।

अब कस्टम से तुरंत क्लीयर होगा माल, नियमों में हो रहा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली/ जीएनएस। कस्टम क्लीयरेंस के नाम पर कारोबारियों के माल को अब पोर्ट पर महीनों तक नहीं रखा जा सकेगा। बजट में कारोबार को सरल बनाने के लिए कस्टम नियम में बदलाव का प्रस्ताव रखा गया है और कुछ प्रस्ताव अभी तैयार हो रहे हैं। जल्द ही उनके ड्राफ्ट जारी होने वाले हैं।

कस्टम क्लीयरेंस में विलंब होने से मैन्यूफैक्चरिंग प्रभावित होता है। कई बार उद्यमियों के कच्चे माल क्लीयरेंस में फंस जाते हैं और महीनों अटके रह जाते हैं। इससे उनकी लागत बढ़ती है। वित्त मंत्रालय के उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक उद्यमियों के साथ एक भरोसे के साथ काम करने का फैसला किया गया है।

कब क्लीयर माना जाएगा माल- सरकार भरोसेमंद मैन्यूफैक्चरर्स आयातक की सूची जारी करेंगे जिन्हें सरकार की विभिन्न एजेंसियों की तरफ सत्यापित किया जाएगा। इस सूची में शामिल आयातकों के माल पोर्ट पर आते ही उसे क्लीयर मान लिया जाएगा।

उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक मान लीजिए कोई निर्माता ऐसे आइटम को बनाता है और उसके कच्चे माल भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की निगरानी में आते हैं तो एफएसएसएआई उनकी पृष्ठभूमि के आधार पर योग्यता का एक सर्टिफिकेट जारी करेगा और वे फिर भरोसेमंद आयातक की सूची में शामिल हो जाएंगे।

इस प्रकार के आयातक कस्टम ड्यूटी दिए बगैर भी अपना माल ले जा सकेंगे, लेकिन एक माह के अंदर उन्हें ड्यूटी का भुगतान करना होगा। अभी ऑथराइज्ड इकोनामिक आपरेटर्स (एईओ) को बिना भुगतान किए पोर्ट से माल ले जाने की छूट है, लेकिन यह छूट उन्हें 15 दिनों की है।

क्यों लग जाता है समय- एईओ की संख्या काफी सीमित है और वे सीधे तौर पर मैन्यूफैक्चरिंग का काम नहीं करते हैं। कस्टम क्लीयरेंस में दूसरा बड़ा बदलाव माल की चेकिंग से जुड़ा है। अभी विदेश से आने वाले किसी माल पर शक होने पर उस माल को कस्टम गोदाम मेले जाकर चेक किया जाता है और इस काम में काफी समय लग जाता है।

कस्टम गोदाम में माल की हिफाजत ठीक से नहीं होने पर कई बार वह माल बाद में इस्तेमाल करने लायक नहीं रह जाता है।

राजस्थान में मेघालय हनीमून मर्डर जैसा हत्याकांडः प्रेमी संग मिलकर पति को उतारा मौत के घाट, ऐसे खुला राज

नई दिल्ली/ जीएनएस। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में एक मर्डर केस ने पुलिस को मेघालय हनीमून हत्याकांड की याद दिला दी। पहले तो यह घटना किसी एक्सीडेंट जैसी लग रही थी लेकिन जैसे-जैसे जांच की परतें खुली, कई राज बार आने लगे। आइए समझते हैं मर्डर की पूरी मिस्ट्री।

घटना शुक्रवार शाम की है। आशीष और अंजू टहलने निकले थे, तभी पीछे से एक तेज रफ्तार चार ने उन्हें टक्कर मार दी। आशीष की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अंजू के सोने के गहने लूट लिए गए और उसे सड़क पर बेहोश छोड़ दिया गया। कुछ ही दिन पहले दोनों की शादी हुई थी।

जो मामला पहले हिट-एंड-रन का लग रहा था, उसने 180 डिग्री का मोड़ ले लिया और पुलिस को मेघालय के हनीमून मर्डर की याद दिला दी, जिसमें सोनम रघुवंशी ने अपने पति राजा रघुवंशी को हनीमून के दौरान मरवा दिया था।

ट्रेन और मेट्रो की रफ्तार भी रोक रहा चाइनीज मांझा, 25000 वोल्ट के करंट से बाल-बाल बचे यात्री

लखनऊ/ जीएनएस। चाइनीज मांझा लोगों की जान ही नहीं ले रहा रेल और मेट्रो यातायात को भी बाधित कर रहा है। दो फरवरी को ही कृष्णानगर से सिंगारनगर के बीच मेट्रो लाइन की ओएचई लाइन चाइनीज मांझा बंधी पतंग के संपर्क में आ गई। धातु का बुरादा वाले मांझे के संपर्क में आते ही ओएचई ट्रिप हो गई। इससे चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट से मुंशीपुलिया की ओर जा रही मेट्रो को 15 मिनट तक रोकना पड़ा। ट्रिपिंग सही हुई तो मेट्रो ट्रेनों की गति बहुत कम हो गई। यात्री मेट्रो और स्टेशनों पर इंतजार करते रहे। चाइनीज मांझे बंधी पतंगों के कारण लखनऊ मेट्रो ही नहीं, ट्रेनों के पहिए भी थम रहे हैं। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल और पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के कंट्रोल रूम में तार बंधी पतंगों के कारण ओएचई ट्रिपिंग की प्रतिदिन औसतन 24 रिपोर्ट दर्ज हो रही हैं। हालांकि रेलवे अधिकारियों के मुताबिक ट्रिपिंग का असर ओएचई पर चंद सेकेंड का ही होता है, फिर भी उससे लोको पायलट और कंट्रोलर का ध्यान तो बंटता ही है। ट्रिपिंग के सबसे अधिक मामले अक्टूबर से फरवरी तक सामने आते हैं। विशेषकर जमघट और मकर सक्रांति पर्व पर तो रेलवे को लाइन किनारे वाले इलाकों में आरपीएफ टीम भेजना पड़ता है। रेलवे लोगों से लाइन के आसपास पतंगबाजी न करने और चाइनीज मांझा का इस्तेमाल नहीं करने की अपील भी करता है।

51 हजार लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी, जल्द पूरे होंगे सुपरटेक के 16 अधूरे प्रोजेक्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। एक दशक से ज्यादा समय से फ्लैट मिलने का इंतजार कर रहे सुपरटेक के 16 प्रोजेक्टों में फ्लैट बुक कराने वाले करीब 51000 फ्लैट बायर्स के लिए राहत की खबर है। सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक के अधूरे पड़े 16 हाउसिंग प्रोजेक्टों को पूरा करने और जल्दी से जल्दी फ्लैट निर्माण का काम सरकारी उपक्रम एनबीसीसी को सौंप दिया है। अब लोगों को एनबीसीसी फ्लैट बनाकर देगी। शीर्ष अदालत ने गुरुवार को एनसीएलएटी के आदेश को सही ठहराया है जिसमें सुपरटेक की 16 अधूरी आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी एनबीसीसी को दी गई थी।

झारखंड में शराब दुकान के रिन्यूअल की नई शर्तें

रांची/ जीएनएस। झारखंड शराब व्यापारी संघ के सदस्यों, शराब कारोबारियों के साथ उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के सचिव अमिताभ कौशल ने गुरुवार को बैठक की। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शराब दुकानों के नवीनीकरण को ले सात फरवरी तक लाइसेंस शुल्क जमा करना आवश्यक है। निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा करने पर ही विभाग नवीनीकरण को मान्य करेगा। नगर निगम क्षेत्र की दुकानों के लिए लाइसेंस शुल्क दो लाख रुपये व अन्य क्षेत्रों के लिए यह शुल्क एक लाख रुपये होता है।

अमेरिका और भारत डील कब होगी साइन, ऊर्जा से स्टील तक पर कितना असर; 5 साल का प्लान तैयार

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिका निर्यात करने वाले निर्यातकों को अगले सप्ताह से ही बड़ी राहत मिल सकती है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि अगले चार-पांच दिनों में भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) से जुड़े साझा बयान पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

साझा बयान के बाद औपचारिक समझौते की वैधानिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी और इस साल मार्च मध्य तक उन पर भी हस्ताक्षर हो सकते हैं।दोनों देश व्यापार समझौते के पहले चरण के पूरा होने को लेकर आपसी सहमति पहले ही जाहिर कर चुके हैं।

साझा बयान जारी होते ही रूस से तेल खरीदने के कारण अमेरिका की तरफ से जुर्माने के रूप में लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क समाप्त हो जाएंगे।

बाकी के 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क के रूप में अमेरिका ने भारत पर लगा रखा है। मार्च मध्य में अंतिम हस्ताक्षर होने के बाद इस 25 प्रतिशत को भी घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया जाएगा। भारत भी अमेरिका के लिए अपने शुल्क में कमी मार्च में होने वाले अंतिम हस्ताक्षर के बाद करेगा।

अगले 4-5 दिनों में भारत-अमेरिका साझा बयान- गुरुवार को गल्फ कंट्रीज काउंसिल (जीसीसी) के साथ व्यापार समझौते को लेकर वार्ता शुरू करने के एजेंडा पर हस्ताक्षर मौके पर गोयल ने कहा कि तेज गति से आर्थिक विकास करने के लिए भारत को बड़ी मात्रा में ऊर्जा, डाटा सेंटर और स्टील उत्पादन की क्षमता बढ़ाने की जरूरत होगी।

इस प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अमेरिका से खरीदारी करनी होगी और ऐसा अनुमान है कि अगले पांच साल में यह खरीदारी 500 अरब डालर तक की हो सकती है। हम अमेरिका से 70-80 अरब डालर का तो एयरक्राफ्ट्स ही खरीद लेंगे।

व्यापार समझौते पर सहमति की घोषणा करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक्स प्लेटफार्म पर कहा था कि भारत अगले पांच साल में अमेरिका से 500 अरब डालर की खरीदारी करेगा। इस हिसाब से भारत को हर साल अमेरिका से 100 अरब डालर की खरीदारी करनी होगी।

अभी यह खरीदारी 40 अरब डालर के पास है। भारत अमेरिका में सालाना 90 अरब डालर की वस्तुओं का निर्यात करता है। इनमें से 30 अरब डालर की वस्तुओं पर 50 प्रतिशत से अधिक का शुल्क लग रहा है।

निर्यातकों ने बताया कि अगले सप्ताह से 25 प्रतिशत का शुल्क हट जाने से उन्हें तत्काल राहत मिल सकती है।

क्राइम ब्रांच इंदौर की कार्रवाई, मादक पदार्थ तस्करी में फरार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देश पर क्राइम ब्रांच इंदौर द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच ने मादक पदार्थ तस्करी के एक प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

क्राइम ब्रांच पुलिस द्वारा इस मामले में आरोपी जमान खान निवासी झालावाड़, राजस्थान को गिरफ्तार किया गया है।

उल्लेखनीय है कि इस प्रकरण में पूर्व में आरोपी कुलदीप मेघवाल के कब्जे से लगभग 60.08 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी जप्त किया गया था, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 6 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपी कुलदीप से की गई पूछताछ एवं मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस को फरार आरोपी जमान खान के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई थी, जो घटना दिनांक से फरार चल रहा था।

पुलिस पूछताछ में आरोपी जमान खान ने कबूल किया कि वह अन्य जिलों से सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों एवं सप्लायरों को अधिक दामों पर बिक्री करता था। आरोपी फर्नीचर रिपेयरिंग का कार्य करता है तथा उसकी शैक्षणिक योग्यता पांचवीं कक्षा तक बताई गई है।

क्राइम ब्रांच थाना अपराध शाखा में इस मामले में अपराध क्रमांक 201/2025 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया है। पुलिस द्वारा विवेचना के आधार पर आरोपी के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इंदौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में नशे के कारोबार से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

6 फरवरी को होगा परीक्षा पे चर्चा का राष्ट्रीय आयोजन

राजधानी भोपाल के शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 6 फरवरी को देश के विद्यार्थियों के साथ परीक्षा पे चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों के मन में उठने वाली शंकाओं का समाधान कर सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित करेंगे। परीक्षा पे चर्चा का राष्ट्रीय आयोजन 6 फरवरी को होगा। शुक्रवार 6 फरवरी को प्रदेश के सभी विद्यालयों में भी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल में होगा। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह नरसिंहपुर जिले के चावरपाठा विकासखण्ड के ग्राम तेंदूखेड़ा के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच उपस्थित रहकर कार्यक्रम के सजीव प्रसारण में सहभागिता करेंगे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी वर्ष 2018 से इस कार्यक्रम में परीक्षाओं के तनाव को दूर करने के लिए विद्यार्थियों से संवाद करते हैं। इस वर्ष कार्यक्रम का यह 9वां संस्करण है। कार्यक्रम 6 फरवरी को प्रातः 10 बजे से नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी विद्यार्थियों की विभिन्न शंकाओं का समाधान करेंगे।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण विभिन्न संचार माध्यमों पर किया जायेगा। दूरदर्शन, डीडी नेशनल, डीडी न्यूज, डीडी इंडिया ऑल इंडिया रेडियो के सभी चैनल, पीएमओ वेबसाइट mygov.in, यूट्यूब, एमओई, फेसबुक लाइव, स्वयंप्रभा चैनल एमओई, दीक्षा चैनल एमओई के साथ ही विभिन्न रेडियों चैनल्स, नेटफ्लिक्स, जीओ हॉट स्टार एवं अमेजन प्राइम वीडियो आदि से भी सीधा प्रसारण होगा। अन्य निजी चैनल भी कार्यकम का सीधा प्रसारण करेगें। परीक्षा पे चर्चा का राज्य स्तरीय कार्यक्रम राजधानी भोपाल के सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित किया जा रहा है। इसमें विशिष्ट जन, वरिष्ठ अधिकारी एवं अभिभावकगण विद्यार्थियों के साथ सजीव प्रसारण में सहभागिता करेंगे।

बिना ट्रेड लाइसेंस चल रही रैपिडो बाइक टैक्सी पर कार्रवाई

नाबालिग से दुष्कर्म मामले के बाद सख्त हुआ प्रशासन, 12 रैपिडो बाइक जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में बिना वैध ट्रेड लाइसेंस के संचालित हो रही ऑनलाइन बाइक टैक्सी सेवाओं पर अब परिवहन विभाग ने सीधी कार्रवाई शुरू कर दी है। नाबालिग से दुष्कर्म की घटना के बाद क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) ने रैपिडो के खिलाफ शिकंजा कस दिया है। जबकि तीन दिन पहले ही रैपिडो के अधिकारियों को नोटिस जारी किया जा चुका है। अब पुलिस की मदद से ऐप को बंद करवाने की कार्रवाई की जाएगी।

एआरटीओ अर्चना मिश्रा ने बताया कि गुरुवार को उनकी टीम ने एआरटीओ राजेश गुप्ता के नेतृत्व में बड़ी कार्रवाई करते हुए रैपिडो की 12 बाइक टैक्सियों को जब्त किया। खास बात यह रही कि कार्रवाई के लिए आरटीओ अमले ने मोबाइल ऐप के जरिए खुद बुकिंग कर बाइक चालकों को बुलवाया। जैसे ही चालक तय स्थान पर पहुंचे, मौके पर मौजूद परिवहन विभाग की टीम ने बिना वैध ट्रेड लाइसेंस के संचालन का हवाला देते हुए बाइक जब्त कर ली।

एआरटीओ ने बताया कि आरटीओ कार्यालय द्वारा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (अपराध) को भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया गया है कि इंदौर में रैपिडो बाइक टैक्सी कंपनी को कोई ट्रेड लाइसेंस जारी या नवीनीकृत नहीं किया गया है। इसके बावजूद रैपिडो मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से खुलेआम बाइक टैक्सी सेवाएं चला रही है। इसी कारण इसे बंद करवाने का अनुरोध किया गया है।

कंपनी को नोटिस, ऐप बंद करने के निर्देश- एआरटीओ ने बताया कि घटना सामने आते ही रैपिडो ट्रांसपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को नोटिस जारी कर तत्काल ऑनलाइन मोबाइल एप्लिकेशन बंद करने और स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। स्पष्ट किया गया है कि यदि जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया तो एकतरफा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पहले भी हो चुकी है कार्रवाई की मांग- एआरटीओ ने बताया कि वर्ष 2021 से 2024 तक कई बार संबंधित कंपनियों की मोबाइल एप्लिकेशन बंद कराने और कानूनी कार्रवाई के लिए पत्राचार किया गया, लेकिन ऐप पर प्रत्यक्ष नियंत्रण न होने के कारण इन्हें बंद नहीं कराया जा सका। अब पुलिस के सहयोग से कार्रवाई तेज की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि शहर में इसी सप्ताह की शुरुआत में एक गंभीर घटना सामने आई, जिसमें रैपिडो बाइक टैक्सी चालक पर 17 वर्षीय नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का आरोप है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने कपड़े दिलाने के बहाने नाबालिग को अपने कमरे पर ले जाकर वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

इंदौर पुलिस के अधिकारियों को 2025 के अति उत्कृष्ट एवं उत्कृष्ट सेवा पदक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस सेवा के दौरान कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए वर्ष 2025 में इंदौर नगरीय पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अति उत्कृष्ट एवं उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। यह पदक केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा पुलिस कर्मियों को उनकी विशिष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के आधार पर प्रदान किए जाते हैं।

वर्ष 2025 में मध्य प्रदेश पुलिस के कुल 123 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अति उत्कृष्ट सेवा पदक तथा 146 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। इसी क्रम में इंदौर नगरीय पुलिस के एसीपी जूनी इंदौर श्री विजय चौधरी, आर.आई. इंदौर श्री दीपक कुमार पाटिल, श्री पंकज कुमार ताम्रकार, निरीक्षक (अ) पीए टू कमिश्नर इंदौर, एवं प्रधान आरक्षक 2139 श्री संतोष शर्मा को यह सम्मान प्राप्त हुआ है।

सम्मानित अधिकारियों एवं कर्मचारीयों ने अपने कार्यकाल के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण एवं जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इन पदकों से न केवल संबंधित अधिकारियों का मनोबल बढ़ा है, बल्कि इंदौर पुलिस का गौरव भी बढ़ा है। इंदौर पुलिस परिवार ने इस उपलब्धि पर सम्मानित पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

टैंकर ने 85 साल के बुज़ुर्ग को रौंदा, दोनों पैर हुए अलग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के आजाद नगर क्षेत्र में बुधवार को एक हृदयविदारक सड़क हादसा सामने आया है। दोपहर करीब 12 बजे नगर निगम के एक तेज रफ्तार टैंकर ने सड़क किनारे टहल रहे एक बुजुर्ग को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि टैंकर का पहिया बुजुर्ग के पैरों के ऊपर से गुजर गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद चालक टैंकर छोड़कर मौके से फरार हो गया, जिसे पुलिस ने बाद में अपनी कस्टडी में ले लिया है। आजाद नगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह दुखद घटना डेली कॉलेज के समीप घटित हुई। घायल बुजुर्ग की पहचान 85 वर्षीय सुंदरलाल पिता गंगादीन के रूप में हुई है, जो इदरीस नगर के निवासी हैं। परिजनों ने बताया कि सुंदरलाल का रोज का नियम था कि वे अपने वॉकर की सहायता से घर के पास टहलने निकलते थे। बुधवार को भी वे अपनी दिनचर्या के अनुसार घर से निकले थे, लेकिन कुछ ही दूरी पर नगर निगम के टैंकर ने उन्हें लापरवाही पूर्वक टक्कर मार दी।हादसे के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टैंकर की गति काफी अधिक थी। टक्कर लगते ही सुंदरलाल जमीन पर गिर पड़े और टैंकर का भारी पहिया उनके पैरों को कुचलता हुआ निकल गया। इस भयावह मंजर को देखकर आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और घायल बुजुर्ग को तत्काल एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार उनके दोनों पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और उनकी हालत फिलहाल नाजुक बनी हुई है। सुंदरलाल के बेटों और अन्य परिजनों का कहना है कि वे सड़क के बिल्कुल किनारे सुरक्षित चल रहे थे, इसके बावजूद टैंकर चालक ने नियंत्रण खोया और उन्हें रौंद दिया।

झोन क्रमांक 12 में नाले पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, 21 अवैध निर्माण ध्वस्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार शहर की ड्रेनेज व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने एवं जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में झोन क्रमांक 12 के वार्ड क्रमांक 61 अंतर्गत कमला रोड रावजी बाजार क्षेत्र में ड्रेनेज लाइन एवं नाले के किनारे बने 21 अवैध निर्माणों को हटाया गया। नगर निगम की इस रिमूवल कार्रवाई के दौरान भवन अधिकारी श्री वैभव देवलासे, भवन निरीक्षक सुश्री आराधना शुक्ला, सहायक रिमूवल अधिकारी श्री बबलू कल्याणे सहित संबंधित विभागीय अमला मौके पर मौजूद रहा। अधिकारियों की उपस्थिति में नाले एवं ड्रेनेज लाइन पर किए गए अतिक्रमणों को हटाकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त किया गया। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि नालों एवं ड्रेनेज लाइनों पर अतिक्रमण के कारण जल निकासी बाधित होती है, जिससे बारिश के मौसम में जलभराव एवं अन्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे सार्वजनिक नालों, ड्रेनेज लाइनों एवं शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें, अन्यथा नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध महू क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर की कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में शराब का अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी ने बताया है कि आज गुरूवार आबकारी विभाग के अमले द्वारा वृत्त महू में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि आबकारी अमले द्वारा महू के भौंडिया तालाब, बंजारी, भाटखेड़ी सहित कुल 10 छापों स्थानों पर दबिश दी गयी। कार्रवाई के दौरान कुल 210 लीटर हाथ भट्टी मदिरा तथा 1750 किलोग्राम महुआ लहान सैंपल लेकर मौके पर ही नष्ट करवायी गयी। मदिरा, महुआ लहान व अन्य सामग्रियों का कुल बाज़ार मूल्य लगभग 2 लाख 17 हजार रुपये है। उक्त कार्रवाई में 10 प्रकरण आबकारी अधिनियम 1915 के अंतर्गत विभिन्न धाराओं के तहत पंजीबद्ध किये गये।

जूनी इंदौर में चार पहिया वाहन चोरी की दो घटनाओं का खुलासा, चंद घंटों में आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष सिंह के निर्देशानुसार लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह एवं पुलिस उपायुक्त जोन-04 श्री आनंद कलादगी के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-04 श्री दिशेष अग्रवाल तथा सहायक पुलिस आयुक्त जूनी इंदौर श्री विजय चौधरी के निर्देशन में थाना जूनी इंदौर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने क्षेत्र में हुई चार पहिया वाहन चोरी की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए चंद घंटों में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस थाना जूनी इंदौर क्षेत्र अंतर्गत 31 जनवरी 2026 की रात पंजाब नेशनल बैंक के सामने गुलजार चौराहे से हनिफ खान निवासी नूरी कॉलोनी, इंदौर का टाटा एस वाहन क्रमांक एमपी 68 जे 5522 तथा मोरी वाले बाबा दरगाह के पास से मोहम्मद सोहेल खान की हुंडई आई-20 कार क्रमांक एमपी 09 सीएस 0806 अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई थी। दोनों मामलों में फरियादियों की रिपोर्ट पर थाना जूनी इंदौर में धारा 303 (2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी जूनी इंदौर द्वारा मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर लगातार प्रयास करते हुए घटना स्थलों एवं इंदौर शहर के लगभग 500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज के विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने सिंमरोल बायपास पर मंदिर के पास से चोरी गया टाटा एस वाहन बरामद किया। वहीं दूसरी ओर, आई-20 कार को ग्राम बंजारी स्थित एक गोदाम से बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आई-20 कार का पूर्व मालिक रमीज राजा खान ही इस चोरी की साजिश का मुख्य आरोपी था। आरोपी ने करीब दो वर्ष पूर्व उक्त कार मोहम्मद सोहेल खान को बेच दी थी, लेकिन वाहन का नामांतरण नहीं कराया गया था। इसी का फायदा उठाते हुए आरोपी ने रेकी कर माणिकबाग स्थित एक गैरेज से कार चोरी कर ली। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 24 घंटे के भीतर दोनों चोरी गए चार पहिया वाहनों को बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों से लगभग 10 लाख रुपये कीमत के टाटा एस एवं आई-20 कार जब्त की है। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा अन्य आपराधिक वारदातों के संबंध में भी पूछताछ जारी है। इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी जूनी इंदौर निरीक्षक अनिल कुमार गुप्ता सहित प्रधान आरक्षक किशोर सोनगरा, आरक्षक श्याम मालवीय, योगेश जाट, कपिल रावत, त्रिलोक एवं गोविंदा का सराहनीय योगदान रहा।

राह वीर योजना 2025 के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने इंदौर में समन्वय बैठक आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराकर उनकी जान बचाने के उद्देश्य से भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा अप्रैल 2025 से संचालित राह वीर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जन-जागरूकता बढ़ाने को लेकर इंदौर में समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में दिनांक 5 फरवरी 2026 को पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इंदौर डॉ. माधव प्रसाद हसानी, एआरटीओ इंदौर श्री राजेश गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) इंदौर श्रीमती सीमा अलावा सहित स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग तथा शहर के प्रमुख अस्पतालों अरविंदो, बॉम्बे हॉस्पिटल, चोइथराम, एमवायएच, एमजीएम मेडिकल कॉलेज, विशेष जूपिटर हॉस्पिटल के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। साथ ही नगरीय इंदौर के समस्त थानों से प्रधान आरक्षक से उप निरीक्षक स्तर तक के पुलिसकर्मियों की भी सहभागिता रही।

बैठक में राह वीर योजना के मुख्य उद्देश्य पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को गोल्डन आवर के भीतर त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करना शामिल है। इस योजना के तहत किसी भी सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को शीघ्र अस्पताल या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने वाले नागरिक को शासन द्वारा 25 हजार रुपये का पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया जाता है। इसके लिए सहायता करने वाले व्यक्ति को अस्पताल में अपनी आवश्यक जानकारी दर्ज कराना अनिवार्य होता है।

बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि आमजन दुर्घटना के समय डर या संकोच न करें, बल्कि मानवता का परिचय देते हुए तुरंत घायल की मदद के लिए आगे आएं। योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग एवं अस्पतालों के बीच बेहतर आपसी समन्वय एवं स्पष्ट कार्यप्रणाली विकसित करने पर सहमति बनी।

इसके साथ ही बैठक में हिट एंड रन पीड़ित प्रतिकर योजना 2022 के क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। इस योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने पर पीड़ित को 50 हजार रुपये तथा मृत्यु होने पर मृतक के वैध परिजनों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान किए जाने का प्रावधान है।

बैठक के अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने राह वीर योजना को मानवता, सामाजिक जिम्मेदारी और सड़क सुरक्षा से जोड़ते हुए आमजन से अपील की कि दुर्घटना को अनदेखा न करें, बल्कि समय पर सहायता कर किसी की जिंदगी बचाने में सहभागी बनें। आओ मदद का हाथ बढ़ाएं, चलो किसी की जिंदगी बचाएं के संदेश के साथ जन-जागरूकता को और मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

एफआईआर दर्ज होने के बाद सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर ने मांगी सांसद से माफी, आपत्तिजनक पोस्ट भी हटाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के सांसद शंकर लालवानी के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी करने वाले उत्तर प्रदेश के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जतिन शुक्ला ने अपनी पोस्ट हटा ली है और सोशल मीडिया पर माफीनामा पोस्ट करते हुए कहा कि वीडियो में उन्होंने अपशब्दों का उपयोग किया था। उस बात का उन्हें खेद है और वे इसके लिए माफी मांगते हैं।शुक्ला की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद प्रतिनिधि विशाल गिदवानी ने कहा कि चुटकी लेना, हास्य बनाना, व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना सोशल मीडिया का कचरा है, जिसकी सफाई ज़रूरी है। किसी के जीवन को प्रभावित करने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर नहीं डालना चाहिए। इस मीडिया का उपयोग सकारात्मक तरीके से होना चाहिए।

अपशब्दों के लिए माफी मांगी- जतिन ने माफी मांगते हुए एक पोस्ट डाली और कहा कि 'कुछ दिनों पहले इंदौर की घटना पर वीडियो बनाया था। जानकारी के अभाव में मैंने वीडियो में कुछ अपशब्दों का उपयोग किया था। मेरा मकसद सांसद की छवि धूमिल करने का नहीं था। मेरी बातों से उनकी भावनाएं आहत हुईं। इसके लिए मैं माफी मांगता हूं।' आपको बता दें कि शुक्ला की आपत्तिजनक पोस्ट सामने आने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा था। सांसद प्रतिनिधि ने पुलिस शिकायत में सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए वीडियो और स्क्रीनशॉट भी पुलिस को सौंपे थे। पुलिस ने जतिन शुक्ला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 और 352 के तहत प्रकरण दर्ज किया था और उससे संपर्क किया था। इस बीच उसने माफीनामा पेश कर दिया।

गति व संरक्षा को सुदृढ़ करने रेटिया यार्ड में किया गया महत्वपूर्ण ट्रैक सुधार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल द्वारा रेल परिचालन की गति एवं संरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 04 फरवरी 2026 को रेटिया यार्ड की डाउन लाइन में क्रॉसओवर प्वाइंट संख्या 101-102 पर महत्वपूर्ण ट्रैक सुधार कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह कार्य रेटिया यार्ड के किमी 535/26-28 पर निर्धारित ब्लॉक के अंतर्गत किया गया। कार्य 13:10 बजे प्रारंभ होकर 16:10 बजे तक निर्धारित था, जिसे आवश्यकता अनुसार 17:20 बजे तक बढ़ाया गया। लगभग 4 घंटे 10 मिनट के इस ब्लॉक में प्वाइंट संख्या 101 को डाउन मेन लाइन पर गोधरा एंड की ओर 2.50 मीटर स्थानांतरित कर उसकी लंबाई में सुधार किया गया।

ट्रैक सुधार कार्य के अंतर्गत नए स्लीपर एवं रेल डालकर क्रॉसओवर के खराब लेआउट को दुरुस्त किया गया, जिससे ट्रेनों के संचालन में सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और उच्च गति से सुचारु रेल परिचालन संभव हो सकेगा। कार्य के दौरान विभागीय अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों की निगरानी में पर्याप्त संख्या में श्रमिकों द्वारा आधुनिक मशीनरी का उपयोग किया गया।

रेल प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित, तेज एवं विश्वसनीय रेल सेवा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है तथा इस प्रकार के सुधार कार्य आगे भी जारी रहेंगे।

लव जिहाद के आरोपी पूर्व पार्षद अनवर डकैत की पांच माह बाद जमानत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लव जिहाद के लिए फंडिंग के मामले में आरोपी बने पूर्व पार्षद अनवर कादरी उर्फ डकैत को पांच माह बाद जेल से जमानत पर छूटा है। कोर्ट ने उसे जमानत दे दी। 29 अगस्त को कादरी 29 अगस्त को जिला कोर्ट में पेश हुआ था पहले उसने जिला कोर्ट में जमानत के लिए याचिका लगाई थी, लेकिन उसकी जमानत मंजूर नहीं हो पाई थी। इसके बाद कादरी ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी। जिसे मंजूर कर लिया गया। कादरी पर पिछले साल जून माह में बाणगंगा थाने पर लव जिहाद के लिए फंडिंग करने का केस दर्ज हुआ था।

मन्दसौर के राजेन्द्र यादव की टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर हैट्रिक लगाई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 8वीं राष्ट्रीय मास्टर्स गेम्स कबड्डी प्रतियोगिता पुणे (महाराष्ट्र) में सम्पन्न हुई, जिसमें देश भर की 20 टीमों ने भाग लिया। मध्यप्रदेश कबड्डी टीम की कप्तानी मन्दसौर के राजेन्द्र यादव ने की और स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश कबड्डी टीम की जीत की खास बात यह है कि, टीम ने लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर हैट्रिक लगाई। सबसे पहले सन् 2024 में स्वर्ण पदक गोवा में प्राप्त किया, दूसरी बार सन् 2025 में धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में स्वर्ण पदक प्राप्त किया, तीसरी बार सन् 2026 में पुणे (महाराष्ट्र) में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। यह मध्यप्रदेश कबड्डी टीम की लगातार तीसरी जीत थी। मध्यप्रदेश कबड्डी टीम की एकजुटता, संगठन, एकाग्रता एवं शक्तिकला का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, जो लगातार जीत गई।

यह उल्लेखनीय, सराहनीय एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। मध्यप्रदेश कबड्डी टीम की कप्तानी मन्दसौर के राजेन्द्र यादव ने की और स्वर्ण पदक प्राप्त किया। टीम ने पुणे (महाराष्ट्र) की मिट्टी पर ऐसा जोर दिखाया कि विरोधी टीम को चारों कोने चित किया। प्रतियोगिता में दयालु क्लब श्री विपिन जोशी इंदौर (म.प्र.) जो सेल टैक्स विभाग में कार्यरत है। उक्त खिलाड़ी द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया गया एवं प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ रेडर घोषित किए गये एवं श्री राजेन्द्र यादव मन्दसौर को श्रेष्ठ केचर घोषित किया गया। जीत से पहले एवं जीत के बाद मध्यप्रदेश कबड्डी टीम ने बाबा महांकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। यह जीत उन्हीं के चरणों में समर्पित की गई यह स्वर्ण पदक जिन्होंने बढ़ाया मान मध्यप्रदेश का इस विजयश्री मन्दसौर (म.प्र.) की कबड्डी टीम के कप्तान राजेन्द्र यादव, वरिष्ठ खिलाड़ी विपिन जोशी, महेन्द्र गौड़, दुर्लभराम खटोलिया, देवकीनंदन गौड़, सुनिल ठाकुर, विजयनाथ योगी, ओमप्रकाश बेड़ा इंदौर, मन्नालाल बिन्दोरिया, रामप्रकाश गौतम, नारायणसिंह गहलोत उक्त समस्त खिलाड़ियों का तालमेल देखने योग्य था। मध्यप्रदेश मास्टर्स गेम्स के वरिष्ठ सचिव रतलाम मध्यप्रदेश के अमानत खान एवं मध्यप्रदेश कबड्डी टीम के कोच (लायर), रतलाम मध्यप्रदेश श्रवण यादव कोच का विशेष योगदान रहा जिससे टीम लगातार तीसरी बार जीतकर मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया गया। म.प्र. शासन से मांग है कि, ऐसे खिलाड़ियों को एवं कोच व सचिव का मध्यप्रदेश शासन द्वारा सम्मान जाकर आर्थिक सहयोग एवं मान सम्मान किया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश शासन के खेल मंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा सहयोग किया जाना चाहिए एवं नियमानुसार आर्थिक सहयोग किया जाना चाहिए जिससे खिलाड़ियों में जोश, उत्साह, भावना जाग्रत होकर चौथी बार कबड्डी टीम स्वर्ण पदक प्राप्त कर सके और मध्यप्रदेश का नाम रोशन कर सके।

युवा समाजसेवी अरूल अरोरा गंगानगर ने रच दिया इतिहास, श्री सांवरिया सेठ पैदल यात्रा में आई भक्ति की सुनामी, उमडे हजारों लोग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच के युवा समाजसेवी अरूल अरोरा की सनानत धर्म के प्रति गहरी आस्था ने श्री सांवरिया सेठ पैदल यात्रा में भक्ति की सुनामी ला दी। चार फरवरी नीमच से शुरू हुई पैदल यात्रा का गुरूवार दोपहर को मंडफिया धाम में समापन हुआ। श्री सांवरिया सेठ को महाप्रसादी का भोग लगाया गया। नीमच से मंडफिया धाम सांवरिया सेठ तक निकली पैदल यात्रा ने इतिहास रच दिया है। पैदल यात्रा में महिलाएं, बच्चें और बुजुर्ग हर समाज के लोग उमडे। करीब 100 किलोमीटर दूरी तक धर्म की ध्वजा लहराई और सांवरा सेठ के नारे गूंजते रहे।

दरअसल धर्म पर अधर्म की जीत की प्रतिक पैदल यात्रा की शुरूआत पिछले वर्ष 2025 से हुई थी। नीमच के समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर पर 4 फरवरी 2024 की घटना ने समाज को स्तब्ध किया था, वहीं उनके बेटे अरुल अरोरा के इस प्रण ने उस नकारात्मकता को एक वृहद धार्मिक आयोजन में बदल दिया। 4 फरवरी 2024 को धर्म के रक्षक अरोरा अरोरा गंगागगर की हस्ती मिटाने का षडयंत्र हुआ था, उसी दिन धर्म की ध्वजा फहराने के लिए पैदल यात्रा की शुरूआत हुई, जो एक उत्सव का रूप ले चुकी है। बुधवार 4 फरवरी सुबह सांवरा सेठ की विशेष पूजा अर्चना के साथ पैदल यात्रा की शुरूआत हुई। जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। यात्रा का रात्रि ठहराव राजस्थान के निम्बाहेडा में हुआ। जहां पर प्रसिद्ध गायक छोटूसिंह राणवा ने देर रात तक भजनों की प्रस्तुतियां देकर भक्तों का मंत्रमुग्ध कर दिया। फिर गुरूवार सुबह चाय पानी के साथ यात्रा की शुरूआत हुई, जो गुरूवार दोपहर तक पहुंची। विद्वान पंडित आचार्य विक्रम शर्मा शास्त्री द्वारा सेठों के सेठ सांवरा सेठ को प्रसादी का भोग लगवाया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर, उनके सुपुत्र अरूल अरोरा गंगानगर सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। भगवान को भोग लगाने के बाद महाप्रसादी वितरण हुआ। अरूल अरोरा ने भक्तों को महाप्रसादी परोसी।

सांसद सुधीर गुप्ता व विधायक सखलेचा की पहल लाई रंग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले की जावद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम राणपुर में एक दुखद हादसे में अपनी जान गंवाने वाली स्व सहायता समूह की अध्यक्षा कंचन बाई मेघवाल के परिवार के लिए मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री व जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा एवं क्षेत्रीय सांसद सुधीर गुप्ता की सक्रियता और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता संबल बनकर उभरी है। सांसद सुधीर गुप्ता एवं विधायक श्री सखलेचा की पहल पर प्रदेश सरकार ने पीड़ित परिवार के लिए ?4 लाख की आर्थिक सहायता और बच्चों की शिक्षा का संपूर्ण खर्च उठाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

हाल ही में दिल्ली प्रवास के दौरान सांसद सुधीर गुप्ता ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की।

वही विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने दूरभाष पर प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को घटना की विस्तार से जानकारी अवगत कराते हुए मृतिका के परिवार को हर हाल में आर्थिक सहायता प्रदान करने की बात कही

इस दौरान दोनो नेताओ ने जावद के राणपुर में मधुमक्खियों के हमले से हुई कंचन मेघवाल की असामयिक और हृदयविदारक मृत्यु के बारे में मुख्यमंत्री को विस्तार से जानकारी दी। वही विधायक एवं सांसद ने मुख्यमंत्री को बताया कि परिवार ने एक कमाऊ सदस्य को खोया है और उनके छोटे बच्चों के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों को मिलेगा नकद रहित इलाज, सांसद सुधीर गुप्ता के सवाल पर दी जानकारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकसभा में मंदसौर संसदीय क्षेत्र से सांसद सुधीर गुप्ता द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वाले पीड़ितों को नकद रहित (कैशलेस) उपचार उपलब्ध कराने को लेकर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया । सांसद ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से जानना चाहा कि क्या देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कोई राष्ट्रीय स्तर की कैशलेस उपचार योजना लागू की गई है तथा उसकी मुख्य विशेषताएं क्या हैं।

सांसद सुधीर गुप्ता के इस प्रश्न के उत्तर में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अवगत कराया कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 162 के तहत ÷सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना- 2025 को अधिसूचित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल प्रत्येक पीड़ित को दुर्घटना की तारीख से अधिकतम 7 दिनों तक 1.5 लाख रुपये तक का नकद रहित उपचार प्रदान किया जाएगा। यह सुविधा सभी श्रेणी की सड़कों पर मोटर वाहन दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के लिए लागू होगी। उत्तर में यह भी स्पष्ट किया गया कि गंभीर मामलों में पीड़ितों को निर्धारित अस्पतालों में 24 से 48 घंटे तक स्थिरीकरण उपचार दिया जाएगा। योजना को ई-डीएआर (इलेक्ट्रॉनिक दुर्घटना रिपोर्ट) और आयुष्मान भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म (टीएमएस 2.0) से जोड़ा गया है, जिससे इलाज, दावा और भुगतान की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल होगी। इसके साथ ही सरकार ने यह भी जानकारी दी कि यह योजना 112 आपातकालीन सेवा से भी जुड़ी हुई है, जिससे दुर्घटना के तुरंत बाद पीड़ित को नजदीकी नामित अस्पताल तक पहुंचाया जा सके।

गरोठ में इलेक्ट्रिक दुकान संचालक पर हमला, थाने का घेराव किया

गाड़ी अड़ने की बात पर विवाद, खाती समाज के लोग नाराज हुए, आज गरोठ बंद का आह्वान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ नगर में डाकघर के समीप गाड़ी रखने और अड़ने की बात पर सौंधिया एवं खाती समाज के दो पक्षों में विवाद हुआ। इस विवाद में एक पक्ष से दूसरे पक्ष पर हमला किया, इससे इलेक्ट्रिक दुकान संचालक के सिर में गंभीर चोट आई है। हमले के चलते पीड़ित घायल के पक्ष में खाती समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने गरोठ थाने पहुंचकर वहां घेराव कर दिया। सूचना पर एएसपी हेमलता कुरील और एसडीओपी विजय यादव ने थाने पर जाकर लोगों को समझाईश दी व प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को तलाश शुरू की है। उधर, गुरुवार देर शाम को गरोठ बंद रहने का आह्वान भी खाती व अन्य समाज की ओर से जारी हुआ है।

जानकारी के अनुसार गरोठ नगर में डाकघर के समीप गाड़ी अड़ने की बात पर विवाद ने मारपीट का रूप धारण कर लिया। मारपीट करने वाले सौंधिया समाज के कुछ लोग बताए गए हैं। इस दौरान इलेक्ट्रिक दुकान संचालक गोपाल गोगीवाला के साथ मारपीट की गई। सिर पर भारी वस्तु से वार किया गया, इससे गंभीर चोट आई है। घायल अवस्था में गोपाल को गरोठ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस विवाद में एड्वोकेट पंकज मगर के साथ भी मारपीट की गई है। इस दौरान दो अन्य लोगों के साथ भी मारपीट हुई है। मारपीट के विरोध में गरोठ थाने का भी घेराव किया गया। भीड़ जमा होने पर शामगढ़ व सुवासरा थाने से भी फोर्स पहुंचा। स्थिति तनावपूर्ण होती नजर आई। इस संबंध में गरोठ टीआई हरीश मालवीय ने बताया कि दारासिंह पिता गोकुलसिंह एवं दारासिंह पिता शंकरसिंह निवासी चिकनिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। स्थिति शांतिपूर्ण है।

किसानों के साथ कांग्रेसजनों ने एसडीएम कार्यालय का घेराव व नारेबाजी कर सौंपा ज्ञापन

वित्तमंत्रीजी सहानुभूति नही डबल इंजन की सरकार से बिना सर्वे के किसानों को मुआवजा चाहिए–परशुराम सिसोदिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ तहसील क्षेत्र में शनिवार को ओलावृष्टि व तेज बारिश से अफीम, सहित गेंहू, चना, रायड़ा, लहसुन, मेथी, चिया, ईसबगोल, 1 अन्य फसले पूरी तरह नष्ट हो गई है। कांग्रेस लगातार आंदोलन कर बिना सर्वे के मुआवजे की मांग कर रही है। गुरुवार को किसानों के साथ प्रदेश कांग्रेस के सचिव एवं क्षेत्र से विधानसभा उम्मीदवार रहे परशुराम सिसोदिया के नेतृत्व में केंद्रीय वित्तमंत्री एवं राज्यपाल के नाम गाडगिल चौराहे से रैली निकालकर अनुविभागीय अधिकारी स्वाति तिवारी को नारेबाजी कर ज्ञापन सौपे।

इस मौके पर कांग्रेस नेता परशुराम सिसोदिया ने कहा कि बुधवार को क्षेत्र में ओलावृष्टि प्रभावित गांवों में खेतों में जाकर क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश सरकार में डिप्टी सीएम एवं वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने क्षतिग्रस्त फसलों को देखा और कहा कि संकट के इस समय मे सरकार आपके साथ खड़ी है। देवड़ाजी आप प्रदेश के वित्तमंत्री है। खजाने की चाबी आपके पास है, पीड़ित किसानों के साथ तो कांग्रेस खड़ी है। आप ने तो स्वयं क्षतिग्रस्त फसलों को अपनी आंखों से देखा है तो अब किस बात का सर्वे। अगर आप किसानों के हितैषी है तो बिना सर्वे के किसानों का जितना नुकसान हुवा है, उतना ही मुआवजा बिना सर्वे के कमलनाथ सरकार ने 2019 में दिया था, उसी प्रकार आप भी किसानों के संकट के समय पर्याप्त मुआवजा दो। सिसोदिया ने यह भी कहा कि किसानों को जब तक मुआवजा नही मिल जाता तब तक कांग्रेस किसान हित की लड़ाई को लगातार आंदोलनों, धरनो, ज्ञापनों के माध्यम से किसानों की लड़ाई लड़ेगी ओर उन्हें न्याय दिलाकर ही रहेगी। जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष बाबु खा मेवाती ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में काफी अंतर है। बिना सर्वे के तत्काल किसानों को मुआवजा मिलना चाहिए। ज्ञापन का वाचन मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा ने किया। इस मौके पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजेश मालेचा, जनपद सदस्य गणपत हरमाला, जिला कांग्रेस के महामंत्री ईशरत शेख, सचिव नागेश्वर चौहान, किशनलाल चौहान, नगर कांग्रेस अध्यक्ष कोहिनूर मेव, गोपाल भारती, विधानसभा युवक कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल अहीर, अनिल मुलासिया भेरूपप्पू गुर्जर, शम्भूसिंह शक्तावत, सोशल मीडिया के विनय कुमठ, हरिसिंह पंवार सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

अभिनंदन नगर में पार्षद की तीसरी पत्नी की चाकू मारकर हत्या

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पार्षद शाहिद मेव की तीसरी पत्नी जो कि अभिनंद नगर में किराए के मकान में रहती थी, उसकी घर से कुछ दूरी पर सड़क पर दो युवकों ने हमला कर हत्या कर दी। घटना गुरुवार शाम को हुई है। मृतिका का नाम रूबिना है, जो पार्षद शाहिद मेव की तीसरी पत्नी बताई गई है। शंका है कि मृतिका के सौतेले बेटे यानी पार्षद शाहिद की पहली पत्नी के बेटे व उसके साथी ने यह घटना कारित की है। शंका के आधार पर उन्हें तलाशा जा रहा है। इस संबंध में संदेही आरोपियों को ढूंढने हेतु पुलिस टीमें छानबीन कर रही है। बताया गया है कि मृतिका की भी यह चौथी शादी थी, जो शाहिद मेव से छह-सात महीने पूर्व हुई थी।

कोतवाली पुलिस के अनुसार महिला रूबिना उम्र 36 वर्ष अभिनंदन नगर में शिन्देश्वर महादेव मंदिर से कुछ दूरी पर किराए के मकान में रह रही थी। गुरूवार को वह मदारपुरा में अपने पापा के घर मिलने पहुंची थी। बाद में ऑटो रिक्शा से वह वापिस अभिनंदन की ओर पहुंची। यहां मौका पाकर एक बाईक पर दो युवक पहुंचे। इस दौरान महिला को ऑटो से उतारकर चाकू से गले पर हमला किया गया। गहरा घाव होने के बाद महिला को जिला अस्पताल लाया गया। यहां डॉक्टर ने उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। पार्षद और मृतक महिला के पति शाहिद मेव ने बताया कि मृतिका रूबिना मेरी पत्नी है। मुझे फोन आया था और मैं शीघ्र पहुंचा। अस्पताल में मृत्यु हो गई है। मेरी किसी से रंजिश नहीं है। पुलिस छानबीन कर रही है। इस संबंध में एएसपी तेरसिंह बघेल ने बताया कि मृतिका रूबिना को चाकू से वार कर मारा गया है। टीम गठित कर आरोपियों की तलाश में भेजी गई है। अपुष्ट जानकारी यह है कि सौतेले बेटे यानी पार्षद शाहिद की पहली पत्नी के बेटे व साथी ने यह घटना की है।

पी.एम.एफ.एम.ई. योजना तहत हर पंचायत में उद्योग स्थापित करवाए-श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य, उद्योग उन्नयन (पीएमएफएमई) योजना के तहत जिले की सभी पंचायतों में किसानों, ग्रामीणों को प्रेरित कर न्यूनतम एक-एक उद्योग स्थापित करवाए। इसके साथ ही मत्स्य विभाग इस माह जिले में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए मत्स्य पालकों का एक एफ.सी.ओ.गठित कर उन्हें मत्स्य पालन व्यवसाय से जोडे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने गुरूवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में ए.पी.सी.समूह, कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशुपालन, सहकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की विभागवार समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों को प्रेरित कर डिफाल्टर से बाहर निकाले- बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने जिला केंद्रीय सहकारी बैंक एवं सहकारी समितियों के डिफाल्टर किसानों को प्रेरित कर डिफाल्टर से बाहर निकालने का विशेष अभियान चलाने के निर्देश सहकारिता विभाग एवं जिला केंद्रीय बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आर.पी. नागदा को दिए। कलेक्टर ने कहा, कि डिफाल्टर किसानों को बकाया राशि जमा करने के लिए प्रेरित कर उन्हें डिफाल्टर से बाहर निकालकर सहकारिता की मुख्यधारा में लाए, जिससे, कि उन्हें केसीसी, कृषि ऋण, खाद बीज, पशुपालन सहित अन्य योजनाओं और सुविधाओं का लाभ मिल सके। कलेक्टर ने उद्यानिकी विभाग की समीक्षा में निर्देश, दिए कि फूलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रमुख धार्मिक स्थलों के कलस्टर में फूलों की खेती के लिए प्रेरित कर फूल उगाने के लिए तैयार करें। आंत्रीमाता, भादवामाता क्षेत्र में इस साल 70 हेक्टेयर में फूलों की खेती का लक्ष्य रखा गया है। कलेक्टर ने मण्डी प्रांगण नीमच में किसानों की सुविधा के लिए चार और नये कियोस्क स्थापित करने के निर्देश भी मण्डी सचिव को दिए है।

बैठक में दुग्ध उत्पादन की प्रगति की समीक्षा में बताया गया, कि जिले में पांच नई दुग्ध समतियां इस माह गठित की गई है और 5 अक्रियाशील समितियों की क्रियाशील करवाया गया है। जिले में दुग्ध संकलन इस माह 17200 लीटर हो गया है। जिसे एक माह में बढाकर 18000 लीटर से अधिक करने का लक्ष्य रखा गया है।

एक वर्ष बाद भी ग्राम धारड़ी में नहीं बदले हालात

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील के ग्राम धारड़ी में मोबाइल नेटवर्क की गंभीर समस्या बनी हुई है। 5जी और 4जी के दौर में भी गांव में किसी भी कंपनी का टॉवर नहीं होने से ग्रामीणों को 2जी नेटवर्क तक नसीब नहीं हो पा रहा है। सरकार द्वारा अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन किए जाने के बावजूद नेटवर्क के अभाव में ग्रामीण योजनाओं से वंचित रह जा रहे हैं।

ग्रामीण महेश टेलर ने बताया कि मोबाइल कंपनियां उपभोक्ताओं से पूरा शुल्क वसूल रही हैं, लेकिन सुविधा शून्य है। नेटवर्क के लिए ग्रामीणों को पेड़ों पर चढ़ना या ऊंचे स्थानों पर जाना पड़ता है। राशन वितरण जैसी जरूरी सेवाएं भी नेटवर्क नहीं मिलने से प्रभावित हो रही हैं, जहां घंटों इंतजार के बाद भी ग्रामीणों को बिना राशन लौटना पड़ता है।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव से 3 से 5 किलोमीटर दूरी पर टॉवर होने के बावजूद धारड़ी में सिग्नल नहीं पहुंचता। पिछले वर्ष मीडिया के माध्यम से शिकायत करने पर सुविधा बढ़ाने के बजाय एकमात्र आइडिया कंपनी का टॉवर भी हटा लिया गया।

नेटवर्क के अभाव में विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन के लिए 15 किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि आजादी के 70 वर्ष बाद भी गांव में संचार सुविधा का अभाव प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता को दर्शाता है।

ग्रामीणों ने शीघ्र मोबाइल टॉवर स्थापित कर नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

अभियान चलाकर एक माह में सभी नामांतरण आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करें–श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा गुरूवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में नगरीय निकायों द्वारा संचालित योजनाओं, निर्माण कार्यो एवं करो की वसूली आदि की समीक्षा की गई। जिसमें नगरीय निकायों निकायों के सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं उपयंत्री उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने अगले एक माह अभियान चलाकर दिसम्बर 2025 तक के प्राप्त सभी नामांतरण के आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सांदीपनि विद्यालय में प्रतिभा सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

प्रतिभा का सम्मान विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है अशोक सोनी विक्रम

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के सांदीपनि विद्यालय, सिंगोली में विद्यार्थियों की शैक्षणिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिभा सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अशोक सोनी (विक्रम) जिला महामंत्री विशेष अतिथि के रूप में श्री सुरेशचंद्र जैन (भाया) नगर परिषद अध्यक्ष, श्री मोतीलाल धाकड़ नगर परिषद उपाध्यक्ष एवं श्री राकेश जोशी युवा मोर्चा जिला मंत्री भाजपा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया कार्यक्रम में सरस्वती वंदना शिक्षिका हर्षिता पुरोहित द्वारा प्रस्तुत की गई कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई।

कार्यक्रम में कक्षा वार मेधावी विद्यार्थियों वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं अनुशासन सर्वाधिक उपस्थित व अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अशोक सोनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिभा का सम्मान विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है शिक्षा के साथ संस्कार और अनुशासन जीवन में सफलता की कुंजी हैं।

नगर परिषद अध्यक्ष श्री सुरेशचंद्र जैन ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय में ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है।

मोतीलाल धाकड़ ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए अन्य विद्यार्थियों से भी अत्यधिक मेहनत कर भविष्य में अपना व विद्यालय का नाम गौरवान्वित करने की अपील की गई।

राकेश जोशी द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए ओर अधिक मेहनत के साथ आगे बढ़कर सफलता प्राप्त करने संबंधित विद्यार्थियों को प्रेरणादायी उद्बोधन दिया गया। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

विद्यालय की प्राचार्य किरण जैन ने स्वागत भाषण देते हुए विद्यालय की उपलब्धियों पर विस्तृत जानकारी दी गई। अतिथियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समस्त सांदीपनि विद्यालय परिवार निरंतर प्रयासरत है।

सभी अतिथियों द्वारा सांदीपनि विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ओर कर्मचारियों को भी वर्षभर अथक प्रयासों से विद्यालय को अग्रसर बनाने में अहम भूमिका निभाने के लिए प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन उमेश कुमार धोबी ने किया। राष्ट्गान के साथ समारोह का समापन हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत के संदर्भ में लोकतंत्र की मूल आत्मा

हर देश में राष्ट के प्रति और राष्टहित के प्रति चिंतन करने वालों का समूह होना चाहिए,जो प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक तथा राष्टहित के विचारों और विकास के मूल मंत्र को नई ऊर्जा ताजा हवा और आगे बढ़ने की सच्चाई को इंगित कर सकेंद्य बिना संस्कृति ,संस्कार और वैचारिक क्षमता के कोई भी राष्ट वैश्विक स्तर पर अंतरराष्टीय प्रगति करने की सोच भी नहीं सकताद्य वैचारिक और सैद्धांतिक अंतरधारा, सिद्धांतों को कुचला या नष्ट नहीं किया जा सकता। व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत के संदर्भ में गणतंत्र की मूल आत्मा है।

विचार और सिद्धांत व्यक्ति की अंतःप्रज्ञा होती है। यह सिद्धांत तथा अंतः विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए तो अंतरात्मा को प्रभावित करती है। इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है, जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक मनीषियों के वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है।यदि यही सिद्धांत और अंतः प्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर उत्पादित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति रहते थे,उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं । विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है।भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है ।विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वर्साय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं,पर विचारधारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं,और वही युग निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाते हैं।

विचारों के संदर्भ में कहा जाता है कि एक व्यक्ति का विचार तब तक उस व्यक्ति के पास है, जब तक वह अकेला है किंतु जैसे ही विचारधारा एवं सिद्धांत का प्रचार प्रसार होता है, तो वह व्यक्ति अकेला ना रह कर उस जैसे हजारों लाखों लोग उसके साथ हो जाते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता। वह अपने विचारों के माध्यम से जन सामान्य को प्रभावित कर लोगों को उस लड़ाई में शामिल कर लेता है, जिस लड़ाई के वह कभी अकेले नहीं लड़ सकता था। विचारों सिद्धांतों की तीव्रता आवेश तथा सघनता किसी भी क्रांतिकारी लक्ष्य की प्राप्ति में एक बड़ा साधक हो सकता है। विचार व सिद्धांत एक से दूसरे व्यक्ति तक स्थानांतरित होते रहते हैं। जिसमें विचारों को सघनता प्राप्त होती है। ताकि सत्ता के दमन के समय वैचारिक अमरता स्थाई बनी रहे। चीन उत्तर कोरिया जैसे राष्टों में विचारों के इस स्वतंत्र का प्रवाह को बाधित नियंत्रित कर दिया गया। अभिव्यक्ति के तमाम माध्यमों को प्रतिबंधित कर दमन चक्र चलाया गया। वहां विचार और सिद्धांत विद्वान व्यक्ति तक ही सीमित रहे उसका फैलाव या विस्तार नहीं हो पाया। जो मानव समाज तथा मानव अधिकारों की संवेदना तथा धाराओं का उल्लंघन भी है।

किसी स्वस्थ स्वतंत्र राष्ट के लिए व्यक्ति समाज और राष्ट के विचारों की स्वतंत्रता नवीनता तथा उत्कृष्टता अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि विचारधारा और सिद्धांतों को रोक पाना किसी भी सत्ता या निरंकुश राजा के नियंत्रण में नहीं होता। विचारों और सिद्धांत अनादि काल से गतिशील है तथा अनंत तक जगत तक गतिशील रहेंगे,और उसका प्रतिपादक एवं अनुशीलन कर्ता विचारों के साथ अमर हो जाते हैं।

कंडीशनिंग व अंहकार आध्यात्मिक उन्नति की बाधाएं हैं : श्री माताजी

सहजयोग की संस्थापिका आदिशक्ति श्री माताजी निर्मला देवी ने अपनी अमृतवाणी में कई बार दिशा निर्देशित किया है कि मनुष्य को सभी प्रकार के बंधनों से अर्थात कंडीशनिंग से स्वयं को मुक्त रखना चाहिए। तभी आप के तार परम चैतन्य से जुड़ सकते हैं यहां बंधन मुक्ति तथा अनुशासनहीनता में अंतर है वह हमें समझना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अनुशासन अत्यंत आवश्यक है विशेषतः सहजयोगी के लिए। हमारा जीवन सदैव बहती हुई नदी के समान गतिमान होना चाहिए, ना की ठहरे हुए तालाब की तरह परंतु यह ध्यान रखना चाहिए कि नदी तभी तक नदी होती है जब तक वह किनारों के अनुशासन में रहकर अपने मार्ग में आने वाली हर छोटी बड़ी बाधा को सहज प्रकृति से स्वीकार करते हुए अंत में सागर से एकाकार हो जाती है। कंडीशनिंग से श्री माताजी का तात्पर्य था कि हमें यह रंग पसंद है, तो यह खाना नापसंद है, हमें सोने के लिए निश्चित तरह का वातावरण अथवा बिस्तर चाहिए इत्यादि। इसके अतिरिक्त धार्मिक आडंबर को लेकर अपने व्यवसाय को लेकर रिश्ते नातों को लेकर हम अपने आप को अनेक सीमाओं में बांध लेते हैं, और यह सीमाएं हमारी अध्यात्मिक प्रगति में बाधा उत्पन्न करती है। कंडीशनिंग हमारे अहंकार के तुष्टीकरण का कारण बनती है। श्री माताजी के पावन शब्दों में, मुझे यह पसंद है, मुझे यह पसंद नहीं यह शब्द उपयोग नहीं किए जाने चाहिए।

कंडीशनिंग में जीते-जीते हम सिर्फ स्वयं से प्रेम करने लगते हैं। अपनी सुविधा ही आपका लक्ष्य बन जाती हैं और आप महानता के अहंकार में फंस जाते हैं। अतः श्री माताजी ने कहा है, अहम की समस्या के कारण हम अत्यंत विघटित हैं छोटी-छोटी चीजों के विषय में यदि आपने अपना समय व्यर्थ करना है तो आप का विघटन बढ़ जाएगा। मुझे यह पसंद नहीं- मैं ऐसा नहीं करता- ऐसा मुझे दिखाई नहीं देता यह सभी निर्णय अहं के माध्यम से ही होते हैं।

सहज योग द्वारा हम अपनी जीवनशैली में उपस्थित कंडीशनिंग को बहुत ही सहज रूप से जीत पाते हैं। कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्म साक्षात्कार प्राप्त कर आपके लिए यह कार्य अत्यंत सहज हो जाता है तथा व्यर्थ के बंधनों से स्वयं को मुक्त पाकर हमारा हृदय प्रेममय, विशाल व प्रफुल्लित हो जाता है। हमारा जीवन आध्यात्मिक, पारिवारिक, व्यवसायिक तथा सामाजिक प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिदिन नए-नए आयामों को छूने लगता है । अतः प्रत्येक व्यक्ति को जो अपने अस्तित्व के सत्य को जानना चाहता है, उसे सहज योग अपनाकर श्री माताजी द्वारा प्रदत्त इस अनमोल भेंट का लाभ अवश्य ही लेना चाहिए।

मलेशिया दौरा 2026: क्या बदलेगा एशिया का शक्ति-संतुलन?

जब एशिया की जियोपॉलिटिक्स अनिश्चितता और प्रतिस्पर्धा की तेज लहरों से घिरी हुई है, ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 7-8 फरवरी 2026 का मलेशिया दौरा एक साहसी, निर्णायक और दूरदर्शी कदम के रूप में उभरता है। यह यात्रा मात्र औपचारिक कूटनीति नहीं, बल्कि भविष्य की वैश्विक रणनीति को दिशा देने वाला ऐतिहासिक प्रयास है। अगस्त 2024 में संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में उन्नत करने के बाद यह पहला बड़ा अवसर है, जब दोनों देश अपने संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की तैयारी में हैं। अनवर इब्राहिम के आमंत्रण पर हुआ यह दौरा भारत की एक्ट ईस्ट नीति को नई ऊर्जा देगा और चीन की बढ़ती सक्रियता के बीच संतुलन का स्पष्ट, सशक्त और आत्मविश्वासी संदेश भी प्रस्तुत करेगा।

भारत और मलेशिया के द्विपक्षीय संबंध अब औपचारिकताओं की सीमाओं से निकलकर आपसी विश्वास, सहयोग और साझेदारी की गहराई तक पहुंच चुके हैं। लगभग 2.9 मिलियन भारतीय मूल के नागरिक मलेशिया में दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक सेतु की भूमिका निभा रहे हैं। यही सशक्त डायस्पोरा भारत की सॉफ्ट पावर को वैश्विक मंच पर मजबूती प्रदान करता है। मोदी और अनवर की मुलाकात में व्यापार, निवेश, डिफेंस, सुरक्षा, डिजिटल और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी जैसे अहम विषयों पर ठोस और दूरगामी निर्णय होने की पूरी संभावना है। दसवां इंडिया-मलेशिया सीईओ फोरम इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण होगा, जहां भविष्य की आर्थिक साझेदारियों की मजबूत नींव रखी जाएगी।

व्यापार के क्षेत्र में यह यात्रा एक निर्णायक और परिवर्तनकारी मोड़ साबित हो सकती है। मलेशिया का पाम ऑयल, इलेक्ट्रॉनिक्स और तेल-गैस संसाधन भारत की बढ़ती आवश्यकताओं को मजबूती देंगे, जबकि भारतीय आईटी, फार्मा और स्टार्टअप सेक्टर मलेशियाई बाजार में नए अवसरों की खोज करेंगे। दोनों देश व्यापारिक बाधाओं को कम करने, लॉजिस्टिक्स व्यवस्था सुधारने और सप्लाई चेन को सशक्त बनाने पर ठोस सहमति बना सकते हैं। इंडो-पैसिफिक व्यापार गलियारों को गति देकर चीन पर निर्भरता घटाने का प्रयास भी इस एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। मोदी का दृष्टिकोण बिल्कुल स्पष्ट है—व्यापार को केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति के रूप में विकसित करना।

ऊर्जा क्षेत्र में यह दौरा भविष्य की हरित क्रांति की मजबूत आधारशिला रखने की पूरी क्षमता रखता है। रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, क्लीन टेक्नोलॉजी और ऊर्जा संक्रमण पर सहयोग के नए द्वार खुलने की प्रबल संभावना है। मलेशिया के तेल और गैस संसाधन भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाएंगे, जबकि भारत की उन्नत सोलर और विंड तकनीक मलेशिया को नेट-जीरो लक्ष्य के और अधिक निकट पहुंचाएगी। ऊर्जा संक्रमण से जुड़े संभावित समझौते दोनों देशों को जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एक साझा और प्रभावी मोर्चे पर खड़ा करेंगे। यह साझेदारी आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन का प्रेरणादायक उदाहरण बनेगी।

मैरिटाइम सिक्योरिटी इस यात्रा का सबसे संवेदनशील, रणनीतिक और महत्वपूर्ण पक्ष है। दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव के बीच भारत और मलेशिया का नौसैनिक सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अनिवार्य बन चुका है। संयुक्त सैन्य अभ्यास, इंटेलिजेंस शेयरिंग और मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस को मजबूत करना प्रमुख प्राथमिकता होगी। मलक्का जलडमरूमध्य की सुरक्षा वैश्विक व्यापार की जीवनरेखा है, जिसकी स्थिरता दोनों देशों के साझा हितों से जुड़ी है। यह सहयोग समुद्री सुरक्षा को नई दिशा देगा, जहां साझेदारी टकराव पर भारी पड़ेगी।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत की नेतृत्व भूमिका इस दौरे के माध्यम से और अधिक सुदृढ़ तथा प्रभावशाली होगी। एक्ट ईस्ट नीति और मलेशिया की लुक ईस्ट रणनीति का संगम एक मजबूत और संतुलित क्षेत्रीय ढांचा तैयार करेगा।

इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क पर होने वाली चर्चा सुरक्षित, पारदर्शी और स्थिर व्यापार मार्गों के विकास में सहायक होगी। क्वाड, आसियान और इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क के साथ समन्वय बढ़ने से क्षेत्र में संतुलित शक्ति व्यवस्था स्थापित होगी। मोदी का उद्देश्य पूरी तरह स्पष्ट है—इंडो-पैसिफिक को एक शांतिपूर्ण, समृद्ध और सहयोगी क्षेत्र में परिवर्तित करना, जहां विकास और सुरक्षा साथ-साथ आगे बढ़ें।

निवेश के क्षेत्र में यह यात्रा अवसरों के नए द्वार खोलने वाली सिद्ध होगी। मलेशियाई कंपनियां मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियानों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बन सकती हैं। सीईओ फोरम में होने वाले समझौते रोजगार सृजन, नवाचार और तकनीकी हस्तांतरण को नई गति प्रदान करेंगे। भारतीय प्रवासी समुदाय निवेशकों और सरकारों के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभाएगा। मोदी की उद्योगपतियों से मुलाकात एफडीआई को विशेष रूप से ग्रीन एनर्जी, सेमीकंडक्टर, मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में प्रोत्साहित करेगी। यह निवेश साझेदारी आपसी विश्वास, स्थायित्व और दीर्घकालिक सहयोग का मजबूत आधार बनेगी।

सॉफ्ट पावर के क्षेत्र में भी यह दौरा गहरा और दूरगामी प्रभाव डालेगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति और हेल्थ टेक में बढ़ता सहयोग द्विपक्षीय संबंधों को मानवीय और संवेदनशील आधार प्रदान करेगा। महामारी के बाद हेल्थ टेक और वैक्सीन सहयोग की बढ़ती अहमियत इस साझेदारी को और सुदृढ़ बनाएगी। छात्र विनिमय कार्यक्रम और शोध साझेदारियां ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती देंगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जन-संपर्क से दोनों समाजों के बीच भावनात्मक जुड़ाव गहरा होगा। यह यात्रा प्रमाणित करेगी कि कूटनीति केवल समझौतों तक सीमित नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने वाली निरंतर प्रक्रिया भी है।

प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया यात्रा एक ऐतिहासिक, निर्णायक और दूरदर्शी क्षण के रूप में दर्ज होगी। यह दौरा व्यापार, ऊर्जा, डिफेंस, सुरक्षा और निवेश के नए युग की मजबूत नींव रखेगा।

मोदी और अनवर के बीच की सकारात्मक केमिस्ट्री इन समझौतों को व्यवहारिक और प्रभावी रूप देगी। यह केवल दो देशों की औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि एशिया के भविष्य की दिशा तय करने वाला रणनीतिक प्रयास है। भारत-मलेशिया साझेदारी वैश्विक चुनौतियों के सामने एक सशक्त और अटूट दीवार बनकर उभरेगी। यह यात्रा उम्मीद, आत्मविश्वास और रणनीतिक दूरदृष्टि की प्रतीक बनकर इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी।

-प्रो. आरके जैन

विरोध करने की आदत, कांग्रेस को रास नहीं आया भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

कांग्रेस को अमेरिका के साथ होने वाला व्यापार समझौता भी रास नहीं आया। जैसे ही अमेरिकी राष्टपति ने भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ 50 प्रतिशत से कम कर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की, वैसे ही कांग्रेस ने आपत्तियां उठानी शुरू कर दीं। यह सही है कि व्यापार समझौते संबंधी ट्रंप की पोस्ट से कुछ सवाल उभर रहे थे, लेकिन इन सवालों का जवाब मांगने के स्थान पर कांग्रेस नेता इस नतीजे पर पहुंच गए कि प्रधानमंत्री मोदी मजबूरी के कारण इस समझौते पर सहमत हो गए।

राहुल गांधी ने तो यह कहने में भी संकोच नही किया कि प्रधानमंत्री ने किसानों की मेहनत को बेच दिया। कांग्रेस को इस समझौते को लेकर बनी सहमति पर आपत्ति उठाने की इतनी जल्दी थी कि उसने न तो यह देखा कि अमेरिकी राष्टपति की पोस्ट पर भारतीय प्रधानमंत्री की पोस्ट क्या कह रही है और न ही वाणिज्य मंत्री के जवाब की प्रतीक्षा की। जब वाणिज्य मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि व्यापार समझौते में कृषि एवं डेरी क्षेत्र में भारत के हितों की सुरक्षा होगी और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने भी इसकी पुष्टि कर दी तो कांग्रेस के पास कहने के लिए कुछ नहीं बचा, फिर भी उसने यह कहना शुरू कर दिया कि सरकार की ओर से इस बारे में संसद में जानकारी क्यों नहीं दी गई। हालांकि वाणिज्य मंत्री ने उन परिस्थितियों का उल्लेख किया, जिनके चलते वे संसद में चाहकर भी बयान नहीं दे सके, लेकिन कांग्रेस को संतोष नहीं।

कांग्रेस की ओर से अमेरिका के साथ होने जा रहे व्यापार समझौते पर सवाल उठाने का सिलसिला कायम है। उसके साथ-साथ कुछ अन्य विपक्षी दल भी ऐसा ही कर रहे हैं। सामान्य समझ यह कहती है कि किसी भी समझौते या सहमति पर सवाल उठाने से पहले उसका विवरण सामने आने की प्रतीक्षा की जाए, लेकिन आज की भारतीय राजनीति में इस समझ के लिए स्थान शून्य होता जा रहा है। इसके स्थान पर विरोध के लिए विरोध का झंडा उठाने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। वैसे तो हर दल विपक्ष में रहते समय इसी प्रवृत्ति का परिचय देता है, लेकिन शायद कांग्रेस ने इसमें महारत हासिल कर ली है। इसी कारण उसकी आलोचना-निंदा चर्चा में तो आ जाती है, लेकिन वह न तो कोई प्रभाव छोड़ती है, न किसी सार्थक बहस को जन्म देती है और न ही सत्तापक्ष को अपने रुख-रवैये पर विचार को बाध्य करती है। विडंबना यह है कि चुनाव दर चुनाव पराजय के बाद भी कांग्रेस यह समझने को तैयार नहीं कि विपक्ष का काम केवल खोखली आलोचना करना या फिर सनसनीखेज आरोप उछालना भर नहीं है। सरकार के हर फैसले का हर हाल में विरोध करने की कांग्रेस की आदत इतनी अधिक बढ़ गई है कि वह तर्कों और तथ्यों से भी परे रहने लगी है।

-धनंजय राजौरा

डराने लगी है ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया

ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया कितनी भयावह एवं घातक हो सकती है, इसकी एक ही दिन में दो अलग-अलग जगह घटी घटनाओं ने न केवल झकझोरा है, बल्कि यह हमारे समय, हमारी सामाजिक संरचना और हमारी सामूहिक असावधानी पर लगा हुआ एक गहरा प्रश्नचिह्न बना है। धीरे-धीरे किशोरवय को अपने चपेट में लेने वाली यह प्रवृत्ति कितनी हृदयविदारक हो सकती है, उसका उदाहरण बुधवार को घटी ये दो भयावह घटनाएं हैं। एक हृदयविदारक घटना में गाजियाबाद की तीन अल्पवयस्क बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 12, 14 और 16 साल की तीन सुकोमल बहनें असमय काल-कवलित हो गईं। ऑनलाइन कोरियन गेम की दीवानी बहनें कोरिया में जाकर बसने और वहीं नया जीवन शुरू करने का सपना देखती थीं। घर वालों ने जब उनकी ऑनलाइन सनक से परेशान होकर उनसे मोबाइल छीन लिए, तो वे तनाव व अवसाद में घिर गईं। फिर तीनों बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। ऐसी ही घटना हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भी घटी जहां एक पंद्रह वर्षीय किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछुड़ने के गम में घर में आत्महत्या कर ली। किशोर दसवीं का छात्र था। इन घटनाओं ने समाज को स्तब्ध ही नहीं किया, बल्कि भीतर तक गहरा घाव दिया है। यह कोई आकस्मिक या अलग-थलग घटना नहीं है। इससे पहले झाबुआ, भोपाल और देश के अन्य हिस्सों में सामने आई ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि आभासी दुनिया किस तरह वास्तविक जीवन पर हावी होती जा रही है और हम अनजाने में एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां संवेदनाएं, संवाद और जीवन-मूल्य स्क्रीन के पीछे दम तोड़ते जा रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग अपने आप में अपराध नहीं है, न ही तकनीक शत्रु है, लेकिन जब यह बच्चों और किशोरों के लिए लत बन जाए, तो यह एक धीमा जहर बन जाती है। यह जहर चुपचाप बच्चों के मस्तिष्क में प्रवेश करता है, उनकी सोच, उनकी भावनात्मक संरचना और उनके निर्णय लेने की क्षमता को विकृत करता है। गेमिंग की दुनिया बच्चों को तात्कालिक रोमांच, आभासी जीत और काल्पनिक पहचान देती है, लेकिन धीरे-धीरे वही दुनिया उन्हें वास्तविक जीवन से काट देती है। परिवार, मित्र, पढ़ाई, प्रकृति, खेल और संवाद-सब कुछ पीछे छूटने लगता है। गाजियाबाद की तीनों बहनों का यह कदम इसी कटाव का चरम और भयावह परिणाम है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अत्यधिक ऑनलाइन गेमिंग बच्चों के मस्तिष्क में आवेग नियंत्रण को कमजोर करती है। जोखिम का आकलन करने की क्षमता घटती है और भावनात्मक अस्थिरता बढ़ती है। हार, असफलता या गेम से वंचित किए जाने की स्थिति में अवसाद, क्रोध और निराशा गहराने लगती है। कई बार बच्चे आत्महत्या जैसे चरम कदम को भी एक 'गेम ओवर' की तरह देखने लगते हैं। यह सोच अपने आप में अत्यंत खतरनाक है। आत्महत्या की प्रवृत्ति का बढ़ना केवल मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक चुनौती है, जो हमारी परवरिश, हमारी प्राथमिकताओं और हमारी नीतियों पर सवाल उठाती है।

आज के परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता, एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और संवाद की कमी ने बच्चों को अकेलेपन की ओर धकेला है। स्मार्टफोन कई घरों में बच्चों की चुप्पी खरीदने का सबसे आसान साधन बन गया है। रोता बच्चा हो, जिद करता बच्चा हो या समय न देने की मजबूरी-मोबाइल फोन एक त्वरित समाधान बन चुका है। लेकिन यही समाधान आगे चलकर सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि बच्चा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मार्गदर्शन, स्नेह और समय चाहता है।

जब यह सब उसे स्क्रीन से मिलने लगता है, तो परिवार की भूमिका स्वतः कमजोर हो जाती है। यह भी एक कठोर सत्य है कि कई माता-पिता स्वयं डिजिटल लत के शिकार हैं। ऐसे में बच्चों को रोकने का नैतिक और व्यवहारिक अधिकार भी कमजोर पड़ जाता है। हम बच्चों से अपेक्षा करते हैं कि वे मोबाइल कम चलाएं, जबकि हमारे अपने हाथों में हर समय फोन रहता है। यह दोहरा व्यवहार बच्चों के मन में भ्रम और विद्रोह दोनों पैदा करता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल बच्चों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि पूरे पारिवारिक वातावरण में संतुलन लाने से जुड़ा है।

सरकार और समाज की भूमिका भी इस संकट में कम महत्वपूर्ण नहीं है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन उसके सामाजिक प्रभावों पर पर्याप्त नियंत्रण और निगरानी का अभाव है। कई गेम्स में हिंसा, आक्रामकता और जोखिम भरे व्यवहार को सामान्य और रोमांचक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। बच्चों के लिए आयु-उपयुक्त सामग्री, समय-सीमा और चेतावनी संकेतों को सख्ती से लागू करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। सरकार को चाहिए कि वह ऑनलाइन गेमिंग और डिजिटल कंटेंट के लिए स्पष्ट और कठोर नियामक ढाँचा विकसित करे, जिसमें बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि हो। विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रह सकती। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन-कौशल को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि तकनीक का उपयोग कैसे किया जाए, न कि तकनीक के गुलाम कैसे बना जाए। शिक्षकों को भी बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों, अकेलेपन, चिड़चिड़ेपन और अचानक गिरते शैक्षणिक प्रदर्शन जैसे संकेतों को गंभीरता से लेना होगा।

मनोवैज्ञानिक सहायता को लेकर समाज में जो झिझक और संकोच है, उसे भी तोड़ना होगा। मानसिक स्वास्थ्य को कमजोरी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। यदि किसी बच्चे में अवसाद, अत्यधिक चुप्पी, आक्रामकता या आत्मघाती विचारों के संकेत दिखें, तो समय रहते विशेषज्ञ की मदद लेना अत्यंत आवश्यक है। देर करना कई बार अपूरणीय क्षति में बदल जाता है। निस्संदेह, ये आत्मघात की घटनाएं, ऑनलाइन गतिविधियों के अतिरेक से मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को लेकर गंभीर सवालों को जन्म देती हैं। निश्चित रूप से आत्मघात की ये घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं और अभिभावकों को आसन्न संकट के प्रति सचेत करती हैं। दरअसल,ये दुखद घटनाएं एक घातक प्रवृत्ति को ही उजागर करती हैं कि गेमिंग और डिजिटल संपर्क लाखों युवाओं को आभासी समुदाय और मनोरंजन तो प्रदान कर सकते हैं, लेकिन साथ ही ये भावनात्मक कमजोरियों,सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की पूर्ति न होने जैसी समस्याओं को भी जन्म दे सकते हैं। हालांकि, वहीं दूसरी ओर समाज विज्ञानी इस बात पर भी बल देते हैं कि केवल गेमिंग या ऑनलाइन मित्रता ही आत्महत्या का कारण नहीं बन सकती हैं। निस्संदेह, आत्महत्या एक जटिल और बहुआयामी घटना है। लेकिन समस्याग्रस्त डिजिटल जुड़ाव, विशेष रूप से जब यह ऑफलाइन जीवन से अलगाव, बाधित शिक्षा और तीव्र भावनात्मक तनाव के साथ होता है तो संवेदनशील युवा मन में परेशानी को और बढ़ा सकता है।

गाजियाबाद की यह घटना हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि हमने बच्चों के लिए कैसी दुनिया बनाई है। क्या हमने उन्हें संवाद दिया, या केवल उपकरण थमा दिए? क्या हमने उन्हें संस्कार दिए, या केवल सुविधाएं? क्या हमने उन्हें सुनने का समय दिया, या केवल आदेश? यह आत्ममंथन केवल पीड़ित परिवारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे समाज को अपने भीतर झांककर देखना होगा। यह घटना एक चेतावनी है, एक टर्निंग पॉइंट है। यदि अब भी हमने इसे एक सामान्य समाचार की तरह भुला दिया, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। समाज को, सरकार को और प्रत्येक परिवार को मिलकर कड़े और संवेदनशील कदम उठाने होंगे। तकनीक को नकारना समाधान नहीं है, लेकिन उसे बिना नियंत्रण स्वीकार करना भी आत्मघाती है। संतुलन, संवाद और सहभागिता ही बच्चों की सुरक्षा का वास्तविक आधार हैं। गाजियाबाद की तीनों बहनों हो या कूल्लु के किशोर की असमय मृत्यु हमें यह याद दिलाती है कि अगर हमने अभी नहीं संभला, तो यह इलेक्ट्रॉनिक खतरा हमारे घरों, हमारे भविष्य और हमारी संवेदनाओं को निगलता चला जाएगा। यह समय है जागने का, सोचने का और ठोस कदम उठाने का-क्योंकि यह सवाल केवल तकनीक का नहीं, बल्कि जीवन का है।

-ललित गर्ग

आखिर कब निकाले जाएंगे घुसपैठिए? केवल चुनाव के समय ही चर्चा करना ठीक नहीं

जब बिहार विधानसभा के चुनाव हो रहे थे, तब बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा उभरा था। उसके पहले झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान भी घुसपैठियों को बड़ा खतरा बताया गया था। चूंकि असम और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, इसलिए एक बार फिर घुसपैठियों की चर्चा हो रही है। पिछले दिनों बंगाल गए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बन जाए तो घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकाला जाएगा। इसके पहले उन्होंने असम में कहा था कि यदि इस राज्य में तीसरी बार भाजपा सरकार बन जाए तो घुसपैठियों को निकालने में देर नहीं होगी। इसका अर्थ है कि असम में पिछले लगभग दस वर्षों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालने का काम नहीं किया जा सका। हर किसी को पूछना चाहिए आखिर क्यों? यह ठीक नहीं कि केवल चुनाव के समय घुसपैठियों की चर्चा की जाए और फिर कुछ न किया जाए। इससे तो घुसपैठिए और उन्हें घुसाने वाले सतर्क ही होते होंगे।

बांग्लादेशी घुसपैठियों से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में असम है। बांग्लादेशी असम के अलावा मेघालय और त्रिपुरा के रास्ते से भी घुससैठ करते हैं। फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाला घुसपैठिया मेघालय के रास्ते ही मुंबई आया था। बांग्लादेशी घुसपैठिए सीमावर्ती राज्यों में घुसकर इसलिए दूसरे राज्यों में जाने में सफल रहते हैं, क्योंकि वे कोई न कोई फर्जी पहचान पत्र हासिल कर लेते हैं। इसके बाद उनका काम आसान हो जाता है। पूर्वोत्तर और बंगाल में घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशी गुजरात, कर्नाटक और दिल्ली तक में बस गए हैं। यदा-कदा कुछ राज्य सरकारें उनकी पहचान करने का अभियान चलाती हैं, लेकिन अभी तक कोई अभियान प्रभावी नहीं सिद्ध हो सका है।

आपरेशन सिंदूर के दौरान गुजरात में हजारों बांग्लादेशियों को पकड़ा गया था। यह स्वाभाविक ही है कि इस अभियान के समय तमाम बांग्लादेशी अन्य राज्यों में खिसक गए होंगे। जो कहानी बांग्लादेशी घुसपैठियों की है, वही रोहिंग्याओं की भी है। रोहिंग्या भी पूर्वोत्तर और बंगाल के रास्ते घुसपैठ करने के बाद जिस तरह दिल्ली, हैदराबाद और जम्मू तक में अपने ठिकाने बनाने में सफल हैं, उससे यह साफ है कि उन्हें भारत में लाने और बसाने का काम सुनियोजित तरीके से हो रहा है। इस काम में लिप्त लोग घुसपैठियों को फर्जी प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने का भी काम करते हैं। ऐसा काम करने वाले बंगाल में खूब सक्रिय हैं।

निःसंदेह घुसपैठ रोकना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन यह भी सही है कि यदि राज्य सरकारें इस काम में केंद्र का सहयोग नहीं करतीं तो घुसपैठियों की पहचान आसान नहीं। बंगाल सरकार का यह कहना तो ठीक है कि यदि घुसपैठ हो रही है तो उसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है, लेकिन केंद्र के इस सवाल का जवाब भी मिलना चाहिए कि राज्य प्रशासन की ओर से घुसपैठियों को लेकर कभी कोई शिकायत क्यों नही की जाती? तथ्य यह है कि बंगाल के किसी भी थाने से कोई ऐसी शिकायत नहीं मिलती कि बांग्लादेश से किसी ने अवैध तरीके से प्रवेश किया है।

शिकायत इसलिए भी नहीं मिलती, क्योंकि स्थानीय नेता घुसपैठियों को अपने वोट बैंक के रूप में देखते हैं। एक समय ममता बनर्जी घुसपैठ के खिलाफ आवाज उठाती थीं, लेकिन बंगाल की मुख्यमंत्री बनने के बाद से वे घुसपैठियों को चिह्नित करने की किसी भी पहल का विरोध करती हैं। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआइआर के विरोध की एक बड़ी वजह यही आशंका है कि कहीं इससे घुसपैठियों की पहचान न हो जाए। बंगाल में एसआइआर की प्रक्रिया शुरू होते ही सैकड़ों बांग्लादेशी अपने देश लौटने लगे थे। कुछ समय बाद उनके लौटने का सिलसिला थम गया। कोई भी समझ सकता है कि यह इसीलिए थमा, क्योंकि उन्हें यह भरोसा हो गया होगा कि इस कवायद से उनकी पहचान नहीं होने वाली। हैरानी नहीं कि उनके संरक्षक नेताओं ने ही उन्हें यह भरोसा दिलाया हो कि उन्हें घबराने की जरूरत नहीं। जो भी हो, इससे इन्कार नहीं कि भारत में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। असम और बंगाल में तो उनकी इतनी संख्या हो गई है कि उन्होंने न केवल आबादी के संतुलन को बुरी तरह बिगाड़ दिया है, बल्कि वे कई क्षेत्रों में चुनाव परिणाम प्रभावित करने की स्थिति में आ गए हैं, क्योंकि वे छल-कपट से मतदाता बन गए हैं।

घुसपैठिए केवल देश के संसाधनों पर बोझ ही नहीं, बल्कि राष्टीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा भी हैं। अब यह खतरा और अधिक गंभीर हो सकता है, क्योंकि बांग्लादेश के साथ संबंध अब पहले जैसे नहीं रहे और इसका भरोसा नहीं कि वहां की नई सरकार की भारत से संबंध सुधारने में दिलचस्पी होगी। इन दिनों पाकिस्तान बांग्लादेश को अपना हितैषी दिखाने के लिए न केवल हरसंभव जतन कर रहा है, बल्कि उसे भारत के खिलाफ उकसा भी रहा है। इन स्थितियों में अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की पहचान कर उन्हें निकालने के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई राष्टव्यापी अभियान चलाया ही जाना चाहिए। जब नागरिकता कानून में संशोधन किया गया था, तब यह कहा गया था कि उसे लागू करने के बाद राष्टीय नागरिकता रजिस्टर अर्थात एनआरसी का काम शुरू किया जाएगा, लेकिन फिलहाल ऐसे किसी अभियान की कोई चर्चा नहीं। हर किसी को पूछना चाहिए आखिर क्यों?

-सुनील कुमार महला

कलेक्टर के बंगले के पास से दिनदहाड़े बाईक चुरा ले गया बदमाश

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात करते दिखा बदमाश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में दिनदहाड़े बदमाश बेखौफ होकर लोगों की बाईक पर हाथ साफ कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले भी दिन में ही एक युवक की बाईक एक दुकान के पास से बदमाश चुरा ले गया था। वहीं गुरूवार को भी एक बदमाश ने दिनदहाड़े कलेक्टर बंगले के पास से ही एक युवक की बाईक चुरा ली।

चोरों ने व्यस्त स्टेशन रोड और टंकी चौराहा क्षेत्र में वारदात को अंजाम दिया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार चोरों ने पहले स्टेशन रोड स्थित अग्रवाल किराना स्टोर के पास खड़ी एक बाइक का लाक तोड़ने का प्रयास किया। करीब आधे घंटे तक कोशिश करने के बाद असफल रहने पर वे वहां से निकल गए। इसके बाद चोर टंकी चौराहा पहुंचे जहां कलेक्टर बंगले के पास खड़ी दूसरी बाइक का लाक तोड़कर उसे लेकर फरार हो गए। दोनों ही स्थानों की घटनाएं सीसीटीवी कैमरों में रिकार्ड हुई हैं।

पुलिस को सौंपे सीसीटीवी फुटेज- मामले में फरियादी संदीप राजपूत (19) पिता ईश्वरसिंह राजपूत निवासी आरएस कोल्ड स्टोर्स मझानिया जोड़, शाजापुर ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। संदीप पाटीदार हार्डवेयर टंकी चौराहा में काम करते हैं। उन्होंने बताया कि अपनी हीरो एचएफ डीलक्स बाइक (क्रमांक एमपी 70 एमपी 5748) को शाम 4.30 बजे गोडाउन के सामने लाक कर खड़ा किया था। शाम 7.30 बजे लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली। आसपास तलाश और पूछताछ के बावजूद बाइक का कोई सुराग नहीं लगा। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश की जा रही है। जल्दी ही चोर गिरफ्तार होंगे।

हाथ से मोबाइल छुड़ा भाग गए बदमाश- एक युवक का मोबाइल छुड़ाकर बदमाश फरार हो गए। यह वारदात भी दिनदहाड़े हुई। 18 वर्षीय अंकित उस समय अपनी मां संगीता बाई से बात कर रह था। उसी समय दो युवक बाईक पर आए और मोबाइल छुड़ाकर भाग निकले। अंकित के अनुसार दोनो ने अपने मुंह पर कपड़ा बांधे हुए था। अंकित ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। फरियादी अंकित विश्वकर्मा टुकराना जोड़ निवासी हैं और अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। वह अपनी मां से रियलमी सी-73 मोबाइल पर बात कर रहे थे। जब अंकित बरवाल घाटी पहुंचे तभी पीछे से एक पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात बदमाश आए। पीछे बैठे बदमाश ने अंकित के दाहिने हाथ से मोबाइल छीन लिया और दोनों तेजी से फरार हो गए। बदमाशों ने अपने चेहरे पर सफेद कपड़ा बांध रखा था, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सकी। अंकित ने पनवाड़ी तक उनका पीछा करने की कोशिश की, लेकिन बदमाश सारंगपुर की दिशा में भाग निकले। छीने गए मोबाइल की कीमत लगभग 10,500 रुपये बताई गई है।

भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराएं परीक्षा

परीक्षा को लेकर कलेक्टर ने ली केंद्राध्यक्षों की बैठक

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋजु बाफना की अध्यक्षता में गुरूवार को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में आगामी बोर्ड परीक्षाओं के सफल, सुव्यवस्थित एवं नकल-मुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र अध्यक्षों की बैठक संपन्न हुई।

कलेक्टर ने उपस्थित केंद्राध्यक्षों को बोर्ड परीक्षाएं पूर्णतः भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने एवं बोर्ड परीक्षाओं को सफल, सुव्यवस्थित तथा नकल-मुक्त कराने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि परीक्षार्थी बिना किसी तनाव के परीक्षा दे, इसके लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता रखें। उन्होंने प्रशासनिक स्तर पर भी सतत निगरानी रखने एवं परीक्षा प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने के भी निर्देश दिये। जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्रसिंह शिप्रे ने सभी केंद्र अध्यक्षों को निर्देशित किया कि परीक्षा प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखी जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर सतर्कता, अनुशासन एवं नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। बैठक में जिला परीक्षा प्रभारी राजेश वर्मा ने मंडल के निर्देशों से सभी केंद्र अध्यक्षों एवं सहायक केंद्र अध्यक्षों को अवगत कराया। समन्वयक संस्था के सियाराम पाटीदार तथा संकलन अधिकारी दिनेशचंद्र सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे, उन्होंने सभी को अपने-अपने दायित्वों के निर्वहन को लेकर आवश्यक सुझाव भी साझा किए। कार्यक्रम का संचालन श्री ओमप्रकाश पाटीदार ने किया एवं आभार प्राचार्य श्री हेमेंद्र यादव ने माना।

वृद्धआश्रम बसेरा में किया गया विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष महोदय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास अजय प्रकाश मिश्र के मार्गदर्शन में एवं रोहित श्रीवास्तव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास के निर्देशन में दिनांक 05.02.2026 को वृद्ध आश्रम बसेरा देवास में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया । उक्त शिविर में रोहित श्रीवास्तव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास ने उपस्थित वृद्ध जनों को नालसा की वरिष्ठ नागरिकों को विधिक सेवा योजना के अंतर्गत निशुल्क विधिक सहायता की जानकारी देकर उपस्थित वृद्ध जनों को जागरूक किया इस अवसर पर कुंवर युवराज सिंह व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड देवास, सैयद दानिश अली पीठासीन अधिकारी श्रम न्यायालय देवास, सहित दिनेश चौधरी प्रबंधक वृद्धआश्रम,वृद्धजन उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में हुई थी युवक की मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई थी। परिजनों ने न्यायालय में दुर्घटना दावा प्रस्तुत किया, जहां अभिभाषक के तर्कों से सहमत होते हुए न्यायालय ने क्षतिपूर्ति स्वरूप 24 लाख 68 हजार 160 रू. क्षतिपूर्ति राशि स्वीकृत की है।

अभिभाषक कमलकुमार पाटीदार एवं अभिभाषक जावेद पठान बेरछा ने बताया कि 13 जून 2024 को देवास निवासी राज मोहम्मद रफीक हुसैन निवासी देवास के साथ दुकान का माल लेकर आयसर मिनी ट्रक मे माल भर कर देवास आ रहा था। जब ये लोग पूरनखेड़ी टोल के पास पहुंचे उसके कुछ दूर पहले सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच इनकी आयशर वाहन को अज्ञात वाहन के चालक ने वाहन तेज गति व लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी। जिससे वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें राज मोहम्मद बुरी तरह फंस गया। जिसे सिर और शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोंट आई। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मामले की शिकायत थाना कोलारस जिला शिवपुरी मे पंजीबद्द हुई। इसके बाद मृतक के परिजनो ने शाजापुर न्यायालय में दुर्घटना दावा प्रस्तुत किया गया, जहां सुनवाई के पश्चात पंचम एम.ए.सी.टी शाजापुर ने 16 जनवरी 2026 को क्षतिपूर्ति स्वरूप 24 लाख 68 हजार 160 रूपये की राशि दिए जाने के आदेश दिए।

12 कर्मचारी हुए उत्कृष्ट सेवा पदक से पुरस्कृत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्रीय गृहमंत्री का अति उत्कृष्ट सेवा पदक जिला शाजापुर के 12 पुलिसकर्मियों को मिला है। इनमें 7 पुलिसकर्मियों को अति उत्कृष्ट सेवा पदक तथा 5 पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है।

पुरस्कृत होने वाले पुलिसकर्मियों में काउनि प्रकाश विभूते, कासउनि हीरालाल, तृप्ती चव्हाण, काप्रआ विकास तिवारी, काप्रआ मनोजकुमार राठौर, हरि सिंह, रमेशचंद्र तथा केन्द्रीय गृहमंत्री का उत्कृष्ट सेवा पदक जिला शाजापुर के पुलिसकर्मी का. उनि (अ) मनीषा जाधव, काप्रआ रजत सौराष्ट्रीय, राकेश राठौर, काप्रआ सुधीर यादव, काप्रआ दीपक शर्मा को प्रदान किया गया है। उज्जैन रेंज में शाजापुर जिले को सर्वाधिक 12 अति उत्कृष्ट/उत्कृष्ट सेवा पदक प्राप्त हुये हैं।

एसपी ने की थी अनुशंसा, भेजा था प्रस्ताव- एसपी यशपालसिंह राजपूत द्वारा इन पुलिस कर्मियों को उनकी उत्कृष्ट व अति उत्कृष्ट सेवा हेतु केन्द्रीय गृहमंत्री के अति उत्कृष्ट/उत्कृष्ट सेवा पदक हेतु अनुशंसा कर प्रस्ताव प्रेषित किये गये थे। जिस पर केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा उक्त पुलिस कर्मियों को पुरूस्कृत किया गया है। एसपी श्री राजपूत द्वारा पुलिस कर्मियों को केन्द्रीय गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अति उत्कृष्ट/उत्कृष्ट सेवा पदक से पुरुस्कृत किये जाने पर उनका स्वागत कर बधाई दी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजगढ़ निवासी एक मजदूर की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। उसकी मोटर साइकिल को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिसे परिजन व अन्य लोग निजी वाहन से जिला अस्पताल लाए थे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सद्दाम अपनी बाइक से मगराना से पड़ाना की ओर जा रहा था। तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए सद्दाम को परिजन अपने निजी वाहन से शाजापुर जिला अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची। चौकी प्रभारी प्रधान आरक्षक पदम सिंह ने बताया कि मृतक का शव पोस्टमार्टम रूम में रखवाया गया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

टेक्समो कम्पनी पर बिना अनुमति प्रचार प्रसार पेम्पलेटस लगाने पर निगम ने की चालानी कार्यवाही

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बिना अनुमति सार्वजनिक स्थानों पर प्रचार प्रसार पेम्पलेटस लगाये जाने पर कार्यवाही की गई। जिसके अन्तर्गत निगम की रिमूव्हल टीम द्वारा सख्त कार्यवाही करते हुए टेक्समों कंपनी पर ? 15 हजार की चालानी कार्यवाही की गई साथ ही शहरभर में लगाए गए सभी पेम्पलेटस तत्काल प्रभाव से हटवाए गए।

उल्लेखनिय है कि स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशानुसार शहर के मुख्य मार्गो, चौराहों एवं अन्य मार्गो पर किसी भी प्रकार के लगे हुये प्रचार प्रसार के फ्लेक्स हार्डिंग या पेम्पलेटस हटाये जाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। टेक्समो कम्पनी के द्वारा कम्पनी के प्रचार प्रसार के पेम्पलेटस मुख्य मार्गो पर निगम की बिनाअनुमति लगाये जाने पर निगम की रिमूव्हल टीम द्वारा नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए कार्यवाही कर पेम्पलेटस निकाले गये तथा राशि रूपये 15 हजार की मौके पर ही चालानी कार्यवाही की गई। शहर की सुंदरता एवं स्वच्छता बनाए रखने के लिए बिना अनुमति किसी भी प्रकार के प्रचार-प्रसार सामग्री लगाने पर सामग्री हटाने तथा संबंधितों के खिलाफ चालानी कार्यवाही की जावेगी। कार्यवाही के दौरान निगम मुख्य स्वच्छता निरीक्षक रवि गोयनार एवं स्वच्छता निरीक्षक शंकर सांगते के साथ रिमूव्हल टीम उपस्थित रही।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिले के नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए शिविर लगाकर लिये जा रहे है आवेदन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देश अनुसार देवास जिले में ''संकल्प से समाधान'' अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 31 मार्च 2026 तक आयोजित किया जाएगा। अभियान ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय और जिला स्तर पर संचालित कर हिताग्राहियों को शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ दिया दिलाया जा रहा है। ÷संकल्प से समाधान÷ अभियान के प्रथम चरण में घर-घर जाकर ग्राम स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी के गठित दल द्वारा आवेदन के एकत्रीकरण का कार्य किया जा रहा है। अभियान का प्रथम चरण 15 फरवरी तक चलेगा, जिसमें ग्राम पंचायत/नगरीय वार्ड स्तर पर गठित समितियां घर-घर जाकर तथा शिविरों के माध्यम से आवेदन/शिकायतें एकत्र कर रही है। संकल्प से समाधान अभियान चार चरणों में चलाया जा रहा है। जिसके तहत प्रथम चरण में 15 फरवरी तक ग्राम पंचायत/नगरीय वार्ड स्तर पर घर-घर जाकर और शिविरों के माध्यम से आवेदन/शिकायतें एकत्र की जा रही है। ये आवेदन ष्टरू हेल्पलाइन पोर्टल पर भी दर्ज किए जाएंगे। द्वितीय चरण (16 फरवरी से 16 मार्च 2026) तक क्लस्टर/जोन स्तर पर शिविर आयोजित कर प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। तृतीय चरण (16 मार्च से 26 मार्च 2026) में विकासखंड/ब्लॉक स्तर पर शेष आवेदनों का समाधान, जहां नगर पालिका/पंचायत साथ हों, वहां संयुक्त शिविर लगाए जाएंगे। चतुर्थ चरण (26 मार्च से 31 मार्च 2026) में जिला स्तर पर अंतिम शिविर, जहां जिले के प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में शेष आवेदनों का निराकरण और हितलाभ वितरण किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 60+ प्रमुख योजनाओं/सेवाओं को कवर किया जा रहा है, जिनमें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था/विधवा/निःशक्त पेंशन योजनाएं, मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, विभिन्न राजस्व सेवाएं (नामांतरण, नक्शा/खसरा प्रतिलिपि आदि),नगरीय विकास संबंधी सेवाएं ट्रेड लाइसेंस, भवन अनुज्ञा, नल/सौकर कनेक्शन आदि शामिल हैं।

धूमधाम से होगा शिव विवाह, 15 को जिले भर में मनाई शिवरात्रि

नगर में सजने लगे शिवालय, शुरू हुई तैयारियां

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसके लिए शिवालयों में तैयारियां शुरू हो चुकी है। कहीं रंग-रोंगन किया जा रहा है तो कहीं पर विद्युत सज्जा की जा रही है। नगर के अति प्राचीन श्री ओंकारेश्वर महादेव मंदिर में भी महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसकी शुरूआत 10 फरवरी को श्री गणेश पूजन से होगी।

मंदिर समिति सदस्यों ने बताया कि मंदिर में शिव-पार्वती विवाह का कार्यक्रम विधि-विधान ओर वैदिक रीति से संपन्न कराया जाता रहा है। इसी को लेकर इस वर्ष भी यह परंपरा निभाई जाएगी और विवाह उत्सव की शुरूआत 10 फरवरी को प्रातः 9 बजे श्री गणेश पूजन से होगी। इसके बाद इसी दिन महादेव का बाना, तेल व हल्दी लगाई जाएगी। 14 फरवरी को दोपहर 3 बजे छाया और शाम 5 बजे वर निकासी होगी। शुभ लग्न 15 फरवरी रविवार को गोधुली बेला में होंगे। मंदिर की उत्सव समिति, आरती मंडल, महिला मंडल और ओंकारेश्वर मंदिर पुजारी सुनील पुरी गोस्वामी ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शिव बारात में शामिल होने की अपील की है।

संभागायुक्त ने ग्राम मोगराराम पहुंचकर प्याज एवं लहसुन उत्पादक किसानों से की चर्चा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भोपाल संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने सीहोर जिले के ग्राम मोगराराम पहुंचकर क्षेत्र के प्याज एवं लहसुन उत्पादक किसानों से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से उत्पादन क्षमता तथा विपणन व्यवस्थाओं के बारे में चर्चा की। संभागायुक्त श्री सिंह ने किसानों से प्याज एवं लहसुन के वैज्ञानिक भंडारण, फसल का रकबा बढ़ाने की संभावनाओं, कम पानी में अधिक उत्पादन लेने की तकनीकों तथा मिनी स्प्रिंकलर पद्धति से सिंचाई के लाभों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने किसानों को आधुनिक खेती पद्धतियाँ अपनाने, लागत कम करने और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विभागीय मार्गदर्शन लेने की बात कही।

संभागायुक्त ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में प्याज भंडारण गृह निर्माण के इच्छुक किसानों की प्राथमिकता से सूची तैयार की जाए तथा आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र शासन को प्रेषित किए जाएँ, जिससे किसानों को भंडारण सुविधा उपलब्ध कराई जा सके और उन्हें उचित मूल्य प्राप्त हो सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पात्रता अनुसार अधिक से अधिक किसानों को उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जाए, ताकि उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित हो सके। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि उद्यानिकी फसलों में अपार संभावनाएँ हैं और यदि वैज्ञानिक तकनीकों, सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों तथा उचित भंडारण व्यवस्थाओं को बढ़ावा दिया जाए तो किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों से मैदानी स्तर पर सतत मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने की पेयजल योजनाओं की जनपदवार समीक्षा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला जल स्वच्छता मिशन समिति की बैठक आयोजित कर जिले में संचालित पेयजल योजनाओं की जनपदवार एवं योजनावार विस्तार से समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को प्रगतिरत योजनाओं की गति तेज करने तथा समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने भी पेयजल योजनाओं क संचालन के सबंध में आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिन पेयजल योजनाओं का कार्य पूर्ण हो चुका है, उनके ड्रायरन के दौरान मैदानी अमले की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी या आपूर्ति संबंधी समस्या का तत्काल समाधान किया जा सके। उन्होंने योजना के हस्तांतरण से पूर्व संबंधित अधिकारियों को निर्माण की गुणवत्ता का परीक्षण गंभीरता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेयजल की आपूर्ति अंतिम नल कनेक्शन तक सुनिश्चित होनी चाहिए। साथ ही पाइपलाइन को क्षति पहुंचाने वाले विभागों अथवा व्यक्तियों से तत्काल मरम्मत कराई जाए, जिससे पेयजल आपूर्ति बाधित न हो। कलेक्टर ने टंकियों एवं बॉल की नियमित सफाई कराने पर भी विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने कहा कि नल कनेक्शन धारियों से जलकर की नियमित वसूली की जाए, जिससे पेयजल योजनाओं का संधारण एवं संचालन सुचारू रूप से किया जा सके।

विंध्य की गोद में बसा खिवनी अभ्यारण बन रहा है पर्यटकों की नई पसंद

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यदि आपको घने जंगलों की शांति, पगडंडियों पर चलते हिरण, झाड़ियों में छिपे तेंदुए और प्रकृति की अनछुई सुंदरता आकर्षित करती है, शोर-शराबे से दूर, शुद्ध हवा में सांस लेना चाहते हैं तो खिवनी अभ्यारण्य आपका अगला इको-टूरिज्म डेस्टिनेशन बन सकता है। देवास जिले में स्थित खिवनी अभ्यारण अपने अंदर प्रकृति की कई अनमोल धरोहर लिए हुए हैं। यहां की प्रकृति और आबोहवा प्रत्येक प्रकृति प्रेमी को अपने और खींचती है। खिवनी अभ्यारण लगभग 134 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जिसमें देवास जिले में लगभग 89.9 वर्ग किमी का क्षेत्र आता है तथा सीहोर जिले का 44.8 वर्ग किमी का क्षेत्र आता है। देवास और सीहोर जिले की सीमा पर फैला लगभग 134 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल वाला खिवनी अभ्यारण्य आज मध्यप्रदेश के उन चुनिंदा प्राकृतिक स्थलों में शामिल हो रहा है, जहां वन्य जीवन संरक्षण और पर्यटन के बीच अद्भुत संतुलन देखने को मिलता है, जहां पर्यटकों का आगवानी और मेजबानी करने के लिए प्रकृति तैयार खड़ी है। इस अभ्यारण में एक ओर जहां ऊंचे-ऊंचे पहाड़ है, वन्यजीव आमजन को अपनी और आकर्षित कर रहे हैं। वहीं अभ्यारण में अनेक प्रकार की औषधीय पौधें भी है। खिवनी अभ्यारण में जाने के लिए https://mpforest.gov.in/eco-tourism/ecobooking/destination.aspx के माध्यम से बुकिंग कर सकते हैं।

कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह एवं डीएफओ देवास श्री अमित सिंह चौहान द्वारा खिवनी अभ्यारण को पर्यटन के मानचित्र पर वृहद स्तर पर पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इनके द्वारा लगातार खिवनी अभ्यारण की मॉनिटरिंग की जा रही है तथा पर्यटकों की व्यापक तैयारी करने के निर्देश भी संबंधितों को दे रहे हैं।

खिवनी अभ्यारण्यः- वैसे तो अभ्यारण्य वन्यप्राणियों की सुरक्षा हेतु बनाया गया था, परन्तु वर्षाकाल में अभ्यारण्य के अंदर बहने वाली नदी-नाले एवं पर्वत-घाटियां आदि देखकर कोई भी व्यक्ति इसकी ओर आकर्षित हुए बिना नहीं रह सकता। विचरण करना मानव का नैसर्गिक स्वभाव होता है। इसके लिए वह अभ्यारण्य की सुन्दरता को देखते हुए अपने आपको यहां आने से नहीं रोक सकता। अभ्यारण्य के अंदर पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। यह क्षेत्र भोपाल एवं इंदौर के बीच स्थित होने तथा इसके आसपास अन्य पर्यटन क्षेत्र होने के कारण अभ्यारण्य का अपना अलग महत्व है। पर्यटक अभ्यारण्य में आने पर वन्यप्राणियों के साथ-साथ यहां के सुन्दर दृष्यों का भी अवलोकन कर सकता है। खिवनी अभ्यारण में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में पर्यटक आ रहे हैं तथा यहां प्राकृतिक सौंदर्यता की प्रशंसा किए बगैर नहीं थकते हैं। यह अभयारण्य जामनेर नदी के उद्गम स्थल होने के साथ विंध्य पहाडियों का मनोरम दृश्य समेटे हुये है। यह अपने नदी-नालों, पर्वत घाटियों और घने जंगलों के लिए प्रसिद्ध है, विशेषकर वर्षाकाल में इसकी सुंदरता देखते ही बनती है। मध्य प्रदेश पर्यटन के अनुसार, यह प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आदर्श स्थान है।

इन वन्यजीव को देखते हैं खिवनी अभ्यारण में - यहाँ मुख्य रूप से मांसाहारी जीवों में बाघ, तेन्दुआ, जंगल केट, भालू, सोन कुत्ता, लकड़बग्घा, गोल्डल जैकॉल, एशियन डेजर्ट फॉक्स, एशियन पाम सीवेट, इंडियन स्मॉल सीवेट, सेही, नेवला, सर्प आदि तथा शाकाहारी जीवों में चीतल, सांभर, कृष्णमूग, चौसिंगा, नीलगाय, जंगली सुअर, खरहा आदि प्रमुख रूप से पाये जाते है। पक्षियों की लगभग 170 प्रजातियां जिनमें दूधराज, मोर, नौरंगा, सरकिर मालकोहा, स्वेलों, मार्टिन, मुनिया, फिंच, रोबिन, बेबलर, बुलबुल, मॉटेल्ड आउल, शिकरा, हनी बजार्ड, ईगल, इजिप्शीयन वल्चर आदि प्रमुख है। इसी प्रकार तितलियों की लगभग 65 प्रजातियां अभयारण्य में पाई जाती है। विंध्याचल की श्रेणियों से घिरा इको व्यू पॉइंट अपनी प्रतिध्वनि के लिए प्रसिद्ध है, तो वहीं गोल कोठी और खिवनी मिडो जैसे स्थान शाकाहारी एवं मांसाहारी जानवरों को करीब से देखने का अवसर प्रदान करते हैं। इसके अलावा, दिसंबर तक बहने वाले शंकर खो और भदभदा झरने, भूरी घाटी का पेट्रोलिंग कैंप और दौलतपुर घाटी के घने जंगल इस अभयारण्य को मध्य प्रदेश का एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाते हैं।

आबकारी विभाग ने निकाली जमीन के अंदर छिपी अवैध कच्ची शराब

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आबकारी विभाग ने कच्ची अवैध शराब पर कार्यवाही करते हुए बड़नगर के बख्शाजिनिंग फैक्ट्री में बनी रहवासी बस्ती के एक घर में से 12 बल्क लीटर अवैध कच्ची शराब जो जमीन के अंदर गड्ढा खोदकर उसमें ड्रम रखकर उसमें छुपा रखी थी जिसे आबकारी विभाग की सतर्कता एवं मुखबिर तंत्र से ढूंढ कर जप्त किया और इस अवैध धंधे में लिप्त महिला आरोपी को गिरफ्तार भी किया गया। आबकारी विभाग द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान में कार्यवाही खास तौर पर कच्ची हाथ भट्टी की शराब स्लम इलाके में 0 टोलरेंस पर कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत आबकारी उपनिरीक्षक कैलाशचंद्र रोईवाल ने कार्यवाही करते हुए बख्शराज जिनिंग फैक्ट्री की खाली जमीन पर अवैध रूप से बसी स्लम बस्ती में एक किराने की दुकान एवं घर में दबिश दी गई ,घर में गाढ़ कर रखे ड्रम में से महुआ निर्मित हाथ भट्टी युक्त मदिरा के 30 पाउच को जप्त कर, प्रत्येक में 400 द्रव्य मदिरा कुल 12 बल्क लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की। जांच के दौरान पता चला कि जप्त शुदा कच्ची शराब मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त है और नवीन विधान के अनुसार वीडियो ग्राफी कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) क एवं संशोधन धारा 49 क(1)एक का गंभीर प्रकृति का अजमानतिय अपराध होने से मोके से आरोपिया बागदी बाई उर्फ बबीता बाई को गिरफ्तार कर, प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपीया को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर , न्यायिक हिरासत मे भेजा गया ।

सराहनीय भूमिका - उक्त कार्यवाही मेंआबकारी उपनिरीक्षक कैलाश रोईवाल, आबकारी मुख्य आरक्षक प्रेमचंद जटिया आरक्षक आदित्य राज नागर महिला पुलिस आरक्षक ज्योति हाड़ा का सराहनीय भूमिका रही ।

उन्हेंल नगर में सिंगल यूज़ प्लास्टिक का धड़ल्ले से हो रहा इस्तेमाल, पर्यावरण सुरक्षा को खतरा

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश में सिंगल यूज प्लास्टिक बैन होने के बावजूद उन्हेंल नगर में आम दुकानों पर खुलेआम बेच व इस्तेमाल कर रहे है. वहीं दुकानदार, सब्जी विक्रेता और अन्य कोई भी सामग्री धड़ल्ले से कैरी बैग के नाम पर सिंगल यूज प्लास्टिक बाजार में उपलब्ध हैं. हालांकि कई लोग थैला के साथ भी खरीदारी करने पहुंचते है. सिंगल यूज प्लास्टिक का खुलेआम इस्तेमाल हो रहा है. प्लास्टिक थर्माकोल वाली प्लेट और थाली भी खुलेआम दुकानों में सजा कर रख दी जाती है. जिससे कोई भी आसानी से खरीद सके. शहर के हर ओर धड़ल्ले से प्लास्टिक का बैग उपलब्ध मिलेगा. जानकारी के अनुसार उन्हेंल में प्रतिदिन 12 किलो से अधिक प्लास्टिक का इस्तेमाल किया जाता है. जिसमें बाजार से सब्जी लेने से लेकर घरेलू उपयोग तक शामिल है।

बैराज निर्माण से क्षेत्र में जल उपलब्धता बढ़ेगी - मंत्री श्री चौहान

आलीराजपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने कहा है कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है जल संरक्षण एवं सिंचाई परियोजनाएं किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। मंत्री श्री चौहान गुरुवार को आलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा ब्लॉक के ग्राम मोरिया में मोरिया गांव बैराज निर्माण कार्य के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि इन दोनों जल संरचनाओं से क्षेत्र में जल उपलब्धता बढ़ेगी, सिंचाई व्यवस्था सुदृढ़ होगी और किसानों को खेती के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा। इससे फसल उत्पादन में वृद्धि होगी तथा किसानों की आय बढ़ने की प्रबल संभावना है। जिले के हर विकासखंड से लेकर ग्राम और फलियों तक विकासकार्यों में निरंतर कार्यरत है। सड़क पानी बिजली मकान, हर सुविधाएं निरंतर पूरे विधानसभा क्षेत्र में कोने कोने तक पहुंच रही। मंत्री श्री चौहान द्वारा कट्ठीवाड़ा ब्लॉक के ग्राम मोरिया गांव बैराज के निर्माण कार्य जिसकी लागत 326.32 लाख रुपये है तथा कट्ठीवाड़ा ब्लॉक के ही ग्राम बिजोरिया में सुक्ता बैराज के निर्माण कार्य जिसकी लागत 362.92 लाख रुपए है का विधिवत भूमि-पूजन किया गया। इन दोनों परियोजनाओं से क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा किसानों को पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। ग्रामीणों ने बैराज निर्माण की सौगात मिलने पर मंत्री श्री चौहान का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधि, पंचायत सदस्य जल संसाधन विभाग के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नमामि गंगे परियोजना के तहत बेतवा नदी सर्वे के लिए केंद्र सरकार की विशेषज्ञ टीम विदिशा पहुँची

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत आज भारत सरकार की एक विशेषज्ञ टीम बेतवा नदी के विस्तृत सर्वेक्षण हेतु विदिशा पहुँची। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य बेतवा नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने, जल गुणवत्ता सुधारने तथा दीर्घकालिक संरक्षण के लिए समेकित योजना तैयार करना है।

विशेषज्ञ टीम द्वारा बेतवा नदी में मिलने वाले प्रमुख नालों–चोरघाट नाला, गौशाला नाला एवं पीलिया नाला–का स्थल निरीक्षण एवं तकनीकी सर्वे किया गया। टीम ने इन नालों से नदी में पहुँचने वाले अपशिष्ट, प्रदूषण के स्रोतों तथा उनके उपचार की संभावनाओं का गहन अध्ययन किया। इसके अतिरिक्त बेतवा नदी और बैस नदी का भ्रमण कर जल गुणवत्ता, प्रदूषण स्तर और संरक्षण की संभावनाओं का विस्तृत आकलन किया गया।

निरीक्षण के दौरान शहर में संचालित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (स्ञक) का भी अवलोकन किया गया। भविष्य की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नए एसटीपी स्थापित करने हेतु प्रस्ताव तैयार करने, नालों के उपचार तथा सीवेज प्रबंधन में आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विस्तृत चर्चा हुई।

नदी शुद्धिकरण, वृक्षारोपण और तटों के सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यों की संभावनाओं को लेकर नगर पालिका, भूमि अभिलेख विभाग, जल संसाधन विभाग (ड्डक्क) एवं जिला पंचायत के अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण किया गया।

इस अवसर पर स्थानीय अधिकारियों और अमले के तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता पर विशेष बल दिया, ताकि परियोजना के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, दक्षता और दीर्घकालिक प्रभाव सुनिश्चित किया जा सके।

बेतवा नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में विशेषज्ञ टीम के बीच विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। निर्णय लिया गया कि एक वृहद एवं समेकित परियोजना तैयार की जाएगी, जिसके लिए डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) निर्माण हेतु भारत सरकार की टीम फील्ड में निरंतर कार्य करेगी।

इस विशेषज्ञ दल में श्री सियाम खान मुआन गुइटे, निदेशक, जल संसाधन विभाग (ड्डह्ढक्क), ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार; श्री दुर्ग्यंत सिंह चुंडावत, परियोजना प्रबंधक, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (ह्स्न्थ्न), जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार; तथा श्री सुनील कुमार, पर्यावरण अभियंता, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (ह्स्न्थ्न), जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार शामिल रहे।बेतवा नदी के संरक्षण, सतत विकास और विदिशा क्षेत्र में पर्यावरणीय संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरगामी कदम सिद्ध होगी।

निशुल्क नेत्र प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम संपन्न

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया मोहन बड़ोदिया जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत केवड़ा खेड़ी में ग्राम पंचायत के सरपंच इंदर सिंह परमार ने सेवा सदन नेत्र चिकित्सा संत हिरदाराम नगर द्वारा स्वर्गीय कुंवर लाल जी परमार स्वर्गीय फुंदीबाई परमार की स्मृति में ग्राम पंचायत भवन परिसर में निशुल्क नेत्र प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आयोजित किया गया था जहां कार्यक्रम की शुरुआती दौर में सभी अतिथि गणों के माध्यम से भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई उक्त शिविर में प्रसिद्ध डॉक्टर जसवंत सिंह यादव सेवा सदन जिला प्रभारी खुशी लाल आचार्य हरि नारायण परमार के द्वारा 90 से अधिक मरीजों की जांच पड़ताल की गई जिसमें से 19 मरिज मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयनित किए गए ग्राम पंचायत के सरपंच श्री परमार ने बताया कि ग्राम के समाजसेवी कुंवर लाल जी परमार एवं स्वर्गीय फुंदीबाई परमार की स्मृति में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसके चलते बड़ी संख्या में बीमारियों से पीड़ित लोगों ने उक्त सेवा सदन नेत्र चिकित्सा संत हिरदाराम की पूरी टीम शिविर में मौजूद थी उक्त शिविर के तहत ग्राम के सचिव सुनील जी परमार एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा शिविर में भाग लेने वाले मरीजों ने बताया कि धन्य है हमारे ग्राम पंचायत यहां के सरपंच ने इस प्रकार की पहल की कार्यक्रम के अंत में सरपंच इंदर सिंह परमार ने नेत्र शिविर में शामिल हुए सभी अतिथियों का भागवत दुपट्टा डालकर स्वागत।

प्रदेश विद्युत के क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर - ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किये जा रहे कार्यो से प्रदेश विद्युत के क्षेत्र में पूर्णतः आत्म निर्भर हो गया है। प्रदेश भविष्य में भी विद्युत के क्षेत्र में आत्म निर्भर बना रहे इसके लिये विद्युत उपलब्ध क्षमता में 1806 मेगावाट की वृद्धि का कार्यक्रम है। इसमें से 851 मेगावाट क्षमता वृद्धि हासिल की जा चुकी है। प्रदेश में गैर कृषि उपभोक्ताओं को लगभग 24 घंटे एवं कृषि उपभोक्ताओं को लगभग 10 घंटे प्रतिदिन विद्युत प्रदाय की जा रही है।

रबी मौसम में मकर संक्रांति पर्व पर 19895 मेगावाट की अधिकतम विद्युत मांग की सफलतापूर्वक पूर्ति की गई, जो प्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक है। प्रदेश में पारेषण हानियां अब मात्र 2.60 प्रतिशत रह गई हैं, जो पूरे देश में न्यूनतम हानियों में से एक है। वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-2030 तक की अवधि में प्रदेश की पारेषण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिये म.प्र. पॉवर ट्रॉंसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित 5163 करोड़ रुपये के पूंजीगत कार्यो का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

अटल गृह ज्योति योजना में जिनकी मासिक खपत 150 यूनिट तक है एवं पात्र उपभोक्ताओं को प्रथम 100 यूनिट की खपत के लिए अधिकतम 100 रुपये का बिल दिया जा रहा है एवं अंतर की राशि राज्य शासन द्वारा सब्सिडी के रूप में वितरण कंपनियों को दी जा रही है। इस योजना में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं के लिये वर्ष 2024-25 में सब्सिडी की मद में 6495.27 करोड़ रूपये जारी किए गए थे। अटल कृषि ज्योति योजना के अंतर्गत 10 हॉर्सपॉवर तक के अनमीटर्ड स्थाई कृषि पंप कनेक्शनों को 750 रुपये प्रति हॉर्सपॉवर प्रतिवर्ष एवं 10 हार्स पॉवर से अधिक के अनमीटर्ड स्थाई कृषि पंप कनेक्शनों को 1500 रूपये प्रति हॉर्स पॉवर प्रतिवर्ष की फ्लेट दर से विद्युत प्रदाय किया जा रहा है।

शासन द्वारा 1 हैक्टेयर तक भूमि एवं 5 हार्स पॉवर तक के कृषि पंप वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कृषकों को निःशुल्क विद्युत प्रदाय किया जा रहा है। योजना लगभग 9.3 लाख कृषि उपभोक्ता लाभान्वित हो रहे हैं। समाधान योजना 2025-26 में अद्यतन लगभग 17 लाख 15 हजार रूपये उपभोक्ताओं का 350 करोड़ 67 लाख रूपये सरचार्ज माफ हुआ है तथा 852 करोड़ 76 लाख रुपये के बिल जमा हुए हैं। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा-अभियान (पीएम-जनमन) में प्रदेश में लगभग 28 हजार घरों के विद्युतीकरण की कार्य योजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। वितरण कंपनियों द्वारा नवम्बर 2025 तक लगभग 26,000 घरों को विद्युत कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। शासन द्वारा अति उच्चदाब ट्रॉसमिशन लाईनों के निर्माण से टॉवर लगने वाले और ट्रॉसमिशन लाईन के प्रभावित किसानों को पहले की कलेक्टर गाईडलाईन से दोगुना मुआवजा एकमुश्त एवं डिजिटल माध्यम से दिया जाएगा।

बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान के तहत 3 बच्चे रेस्क्यू, बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा के मार्गदर्शन में जिले में संचालित बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान के अंतर्गत आज महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए भिक्षावृत्ति कर रहे तीन बच्चों को रेस्क्यू किया।

कार्रवाई के दौरान दुर्गा नगर चौराहा से एक बच्चा तथा बस स्टैंड विदिशा से दो बच्चों को भिक्षावृत्ति करते पाया गया। पूछताछ में बच्चों ने बताया कि वे सभी सालामतपुर के निवासी हैं और विदिशा शहर में भिक्षावृत्ति करने आए थे।

भिक्षावृत्ति करते पाए गए सभी बच्चों को नियमानुसार बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) विदिशा के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति अध्यक्ष श्री रामबाबू प्रजापति, सदस्य श्री चंद्रभान सिंह बघेल, श्री दीवान सिंह एवं श्रीमती सुनीता दांगी द्वारा बच्चों के परिजनों से संपर्क कर उन्हें समिति के समक्ष बुलाया गया।

परिजनों को समझाइश दी गई कि भिक्षावृत्ति करना एवं बच्चों से भिक्षावृत्ति कराना किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम की धारा 76 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। उन्हें बच्चों को भिक्षावृत्ति में न लगाने तथा नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए निर्देशित किया गया। आवश्यक समझाइश देने के बाद बच्चों को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

युवाओं को बजट से जोड़ने की पहल तहत आयोजन

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत संचालित मेरा युवा भारत के तत्वाधान में मेरा युवा भारत, विदिशा, मध्यप्रदेश द्वारा युवाओं में केंद्रीय बजट 2026 के प्रति जागरूकता एवं समझ विकसित करने के उद्देश्य से MY Bharat Budget Quest 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह पहल युवाओं को देश की नीतिगत प्रक्रिया से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

यह कार्यक्रम बहु-चरणीय एवं सहभागितापूर्ण प्रारूप में आयोजित होगा। इसके प्रथम चरण में राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन 17फरवरी तक किया जाएगा। क्विज में भाग लेने के इच्छुक युवा http://myb-harat.gov.in पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

क्विज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाले निबंध लेखन चरण के लिए किया जाएगा। इस चरण में प्रतिभागी केंद्रीय बजट 2026 से जुड़े प्रमुख विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इससे युवाओं को न केवल आर्थिक नीतियों की समझ विकसित करने का अवसर मिलेगा, बल्कि उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता को भी मंच मिलेगा। कार्यक्रम के अंतिम चरण में राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर चयनित युवाओं को नीति-निर्माताओं और गणमान्य व्यक्तियों के साथ केंद्रीय बजट 2026 पर वर्चुअल संवाद का अवसर प्रदान किया जाएगा। यह संवाद युवाओं की नीतिगत समझ, जागरूकता एवं सहभागिता को सशक्त बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा।

जिला युवा अधिकारी श्रीमती आकांक्षा महावरिया ने बताया है कि MY Bharat Budget Quest 2026 युवाओं को केंद्रीय बजट से जोड़ने की एक सार्थक पहल है। यह कार्यक्रम युवाओं को नीति-निर्माण प्रक्रिया को समझने और उसमें सक्रिय भागीदारी का अवसर प्रदान करेगा।

पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. अटल जी की स्मृति में बन रहा अटल स्मारक एवं म्यूजियम का कार्य 30 सितम्बर तक होगा पूर्ण

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में ग्वालियर में 20 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे अटल स्मारक एवं संग्रहालय का कार्य 30 सितम्बर 2026 तक पूर्ण होकर आमजनों के अवलोकन हेतु उपलब्ध हो जायेगा। कार्य को गति प्रदान करने एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने दिए हैं। सिरोल पहाडी पर बन रहे अटल समारक एवं संग्रहालय का कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने गुरुवार को निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य को तेज गति से करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अटल समारक एवं संग्रहालय का कार्य 30 सितंबर तक पूर्ण कर लिया जाए। जिससे इसे जल्द से जल्द जनता के लिए खोला जा सके। अटल स्मारक एवं संग्रहालय के सिविल कार्य के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश सरकार की ओर से हाल ही में 6.80 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अटल स्मारक एवं संग्रहालय के पूरे डिजाइन एवं उसके कार्यों को देखा। अटल स्मारक एवं संग्रहालय सिरोल पहाडी पर 10 एकड़ में बनाया जा रहा है।

तीन मंजिला इस अटल स्मारक एवं संग्रहालय में प्रत्येक मंजिल पर अटल जी से संबंधित स्मृतियों को दर्शाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बेसमेंट का निरीक्षण किया । निरीक्षण में बताया कि बेसमेंट का क्षेत्रफल 290 वर्ग मीटर है। बेसमेंट हॉल में सूचना पटल लगाया जाएगा। साथ ही अटल जी का प्रदर्शन क्षेत्र रहेगा एवं अटल जी की भव्य मूर्ति लगाई जाएगी। साथ ही लिफ्ट, लॉबी एवं सीढ़ियां रहेंगी। इसके बाद ग्राउण्ड फ्लोर पर 46 वर्गमीटर क्षेत्र में इतिहास गैलरी लगाई जाएगी, जिसमें भारत का इतिहास एवं स्वतंत्र भारत के बारे में बताया जाएगा। इसके साथ ही यहां पर अटलजी का भव्य वर्चुअल स्टैचु लगाया जाएगा। हिस्ट्री लॉग में अटल जी की जीवन एवं कार्यशैली के बारे में बताया जाएगा। इसके साथ ही तोश खाना गैलरी में पूर्व पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को मिले उपहार एवं पुरस्कार प्रदर्शित किए जाएंगे।

जबकि डिस्प्ले कॉरिडोर में आंगतुकों के लिए विभिन्न प्रकार के कला प्रदर्शित की जाएंगी साथ ही बैठक भी रहेगी। निरीक्षण के दौरान मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उन्होंने कलेक्टर को बताया कि अटल स्मारक एवं म्यूजियम के निर्माण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। स्मारक के सभी काम 30 सितम्बर तक पूर्ण कर आमजनों के अवलोकनार्थ उपलब्ध करा दिया जायेगा। अटल स्मारक निर्माण कार्य की वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी निरंतर मॉनीटरिंग की जा रही है।

गैलरी में ले सकेंगे अटलजी के साथ सैल्फी - गैलरी का क्षेत्रफल 1300 वर्ग मीटर रहेगा, यहां पर लोग पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रमिता के साथ सेल्फी ले सकेंगे। इसके साथ ही यहां पर ग्रीन तकनीक का उपयोग किया जाएगा जिससे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ लोग घूम भी सकेंगे।

प्रथम तल पर बनेगा ई-लायब्रेरी एवं ऑफिस - प्रथम तल पर सेमिनार हॉल रहेगा, जिसका क्षेत्रफल 170 वर्गमीटर रहेगा। इसके साथ ही सेविनियर शॉप रहेगी, जिसका क्षेत्रफल 175 वर्गमीटर रहेगा। इसमें चित्र पोस्टकार्ड आदि रखे जाएंगे। साथ ही 65 वर्गमीटर में ई-लायब्रेरी एवं ऑफिस रहेगा। इसमें ऑडियो, फाइलों, छवियों को प्रदर्शित किया जाएगा।

जिला गंगा समिति की बैठक संपन्न, नदियों की स्वच्छता व निगरानी हेतु महत्वपूर्ण निर्णय

विदिशा / दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट स्थित बेतवा सभागार में जिला गंगा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन मंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया सहित समिति के सदस्यगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में जिले की नदियों के संरक्षण, स्वच्छता और सतत निगरानी को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि जिले की सभी नदियों के किनारे बसे ग्रामों में एक-एक पंजी (रजिस्टर) संधारित किया जाए। इस पंजी में नदी से संबंधित विस्तृत जानकारी दर्ज की जाएगी, जिसमें नदी में मिलने वाली सहायक नदियों, अन्य जल स्रोतों से आने वाले पानी, तथा जल की गुणवत्ता से जुड़े पहलुओं का उल्लेख किया जाएगा।

पूनम गोस्वामी आइस प्लांट से हर माह कमा रहीं हैं एक लाख रूपये

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कुछ जहां चाह होती है वहां पर राह भी निकल ही आती है। ऐसा ही कुछ हुआ श्रीमती पूनम गोस्वामी के साथ। श्रीमती पूनम गोस्वामी ने कुछ नया करने की सोची, इसके लिए उन्होंने ग्वालियर जिले की मार्केट को देखा कि किस चीज की सबसे अधिक आवश्यकता है। इसके बाद उन्होंने आइस प्लांट लगाने की योजना बनाई। आइस प्लांट को लगाने की 80 लाख रूपये लागत आ रही थी। पैसों की कमी के कारण श्रीमती पूनम गोस्वामी अपना सपना पूरा नहीं कर पा रही थीं। तब षासन की पीएमएमएसवाई योजना का श्रीमती पूनम गोस्वामी को सहारा मिला, उन्होंने 80 लाख रूपये का लोन लिया। इसके साथ ही उन्हें 48 लाख रूपये का अनुदान मिला। इससे उन्होंने अपना आईस प्लांट लगाया और उसकी सप्लाई पूरे जिले में कर रही हैं। यह आईस प्लांट संभाग का सबसे बड़ा प्लांट है। श्रीमती पूनम गोस्वामी ने आईस प्लांट लगाने से पहले पूरे जिले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि जिले में डबरा, टेकनपुर एवं ग्वालियर, पिछोर आदि स्थानों पर मौजूद मत्स्य बाजारों में आईस की काफी डिमांड है। इसके चलते उन्होंने आईस प्लांट की योजना बनाई । उन्होंने आईस प्लांट लगाया जिससे प्रति माह 20 मीटिक टन आईस का उत्पादन हो रहा है। अब उनके पास पहले से ही आईस के ऑर्डर आते हैं इन आर्डर की सप्लाई से उन्हें हर माह एक लाख रूपये की कमाई हो रही है। संभाग में सबसे बड़ा आईस प्लांट ग्वालियर संभाग में 20 टन की क्षमता वाला यह एकमात्र आईस प्लांट है। अभी तक जितने भी आईस प्लांट लगे हैं उनकी क्षमता इससे कम है। मत्स्य बाजार में सबसे अधिक मांग आईस की सबसे अधिक डिमांड मत्स्य बाजार में रहती है, मत्स्य की दुकानों पर मछली को ताजा रखने के लिए काफी मात्रा में बर्फ की आवश्यकता पडती है।

नवांकुर संस्थाओं की जिला स्तरीय त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला झाबुआ के जिला कार्यालय में समस्त नवांकुर संस्थाओं की जिला स्तरीय त्रैमासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संभाग समन्वयक श्री अमित शाह द्वारा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। बैठक में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक में चयनित नवांकुर संस्थाओं द्वारा वर्षभर निर्धारित एजेंडे के अनुसार किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर नवांकुर संस्थाओं द्वारा अपने-अपने कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तथा ग्राम स्तर पर किए जा रहे विकासात्मक कार्यों की जानकारी मौखिक रूप से साझा की गई।

संभाग समन्वयक श्री अमित शाह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नवांकुर संस्थाओं को अपने फील्ड वर्क एवं दस्तावेजीकरण को और अधिक सशक्त करना चाहिए। उन्होंने ग्राम विकास, सामूहिकता, स्वैच्छिकता एवं स्वावलंबन की प्रक्रिया पर सतत कार्य करने तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग करने पर भी जोर दिया, जिससे संस्थाओं के कार्यों को व्यापक पहचान मिल सके।

जिला समन्वयक श्री प्रेमसिंह चौहान ने कहा कि इस प्रकार की समीक्षा बैठकों से आत्मबल में वृद्धि होती है तथा अन्य साथियों के कार्यों से सीखने और प्रेरणा लेने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठक को एक कार्यशाला के रूप में लेकर अपने कार्यों को और बेहतर बनाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि ग्रामोदय से अभ्युदय मध्य प्रदेश अभियान के अंतर्गत जिले के 150 गांवों में विभिन्न गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया है।

बैठक के दौरान जिले की विभिन्न नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा भी अपने विचार एवं अनुभव साझा किए गए। कार्यक्रम का संचालन झाबुआ ब्लॉक समन्वयक श्री तोलिया डामोर द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन रामा ब्लॉक समन्वयक श्री तेजसिंह देव एवं श्रीमती वर्षा डोडियार द्वारा किया गया। समीक्षा बैठक में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद झाबुआ जिले की समस्त नवांकुर संस्थाओं के सदस्यों द्वारा सक्रिय सहभागिता की गई।

सायबर कैफे संचालकों को करना होगा प्रतिबंधात्मक आदेशों का पालन

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री ऋषव गुप्ता ने जिले में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है। जारी आदेश के अनुसार सायबर अपराधों की घटनाओं को रोकने के लिए सायबर कैफे में सीसीटीवी केमरे लगाना अनिवार्य होगा, जिसकी कम से कम एक महीने तक रिकार्डिंग सुरक्षित रखना होगी। इसकी जिम्मेदारी सायबर कैफे संचालक की होगी। सायबर कैफे में कार्यरत कर्मचारियों की पूरी जानकारी परिचय पत्र व फोटो सहित निकटतम पुलिस थाने में जमा कराना होगी। सायबर कैफे मालिक को अपने वैध लायसेंस की प्रति थाने में जमा करानी होगी तथा एक प्रति अपने सायबर कैफे में मुख्य स्थान पर प्रदर्शित करना होगी। सायबर कैफे मालिक को अपने सभी कम्प्यूटर सिस्टम पर पोर्न साइट फिल्टर अनिवार्य रूप से लगाना होगा।

सायबर कैफे में कम्प्यूटर उपयोग करने वाले व्यक्तियों की जानकारी रजिस्टर में दर्ज की जायेगी, तथा बिना आईडी प्रूफ के कम्प्यूटर संचालन की अनुमति किसी भी व्यक्ति को नहीं दी जायेगी। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित के विरूद्ध धारा 223 के तहत कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश आगामी 5 अप्रैल 2026 तक प्रभावी रहेंगे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में वनमण्डलाधिकारी श्री भारत सोलंकी उपस्थित रहे। बैठक में पूर्व में निरस्त किए गए व्यक्तिगत वन अधिकार दावों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिसमें से लंबित 812 दावों में से 181 दावों का निराकरण किया गया। इसके साथ ही कलेक्टर ने नवीन वन अधिकार समिति का गठन किए जाकर वन मित्र पोर्टल के माध्यम से प्राप्त नवीन लगभग 2500 दावों को नवीन समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। सामुदायिक वन अधिकार से संबंधित प्रकरणों को भी जिला वन अधिकार समिति के समक्ष निराकरण हेतु प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर नेहा मीना ने बैठक में निर्देशित किया कि सभी वन अधिकार प्रकरणों का निराकरण सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ, पारदर्शी प्रक्रिया अपनाते हुए एवं निर्धारित समय-सीमा में किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी पात्र हितग्राही के साथ अन्याय न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए तथा दावों की जांच के दौरान तथ्यों एवं नियमों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु विभागीय समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनल जसवंत भाबोर, समिति के अशासकीय सदस्य, अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन उपस्थित रहे।

शहरी क्षेत्र झाबुआ में ट्रक/भारवाहक वाहनों के प्रवेश को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से पूर्णतः प्रतिबन्धित किया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला झाबुआ नेहा मीना के अनुमोदन पर अपर जिला दण्डाधिकारी जिला झाबुआ श्री चंदरसिंह सोलंकी ने मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 में विहित प्रावधानों के अंतर्गत मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 के नियम 215 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मार्गों पर ट्रक/भारवाहक वाहनों के झाबुआ शहर में प्रवेश को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से पूर्णतः प्रतिबन्धित किया।

स्थान एवं प्रतिबंधित मार्ग पर प्रातः 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। जिसमें भोयरा रोड़ अमृत आर ओ वाटर प्लांट- कुंदनपुर व पिटोल से आने वाले भारी वाहन, करड़ावद हनुमान मंदिर- गुजरात दाहोद, पिटोल, थान्दला व मेघनगर मार्ग से आने वाले भारी वाहन, रंगपुरा अंडर ब्रिज हाईवे- कल्याणपुरा, रायपुरिया, पेटलावद, रतलाम व बदनावर मार्ग से आने वाले तथा पारा व बोरी से आने वाले भारी वाहन, पारा फाटा झाबुआ- कालीदेवी, सरदारपुर, धार व इंदौर से आने वाले तथा पारा व बोरी से आने वाले भारी वाहन एवं राणापुर रोड पर महर्षि त्रिपुरा नर्सिंग कॉलेज तिराहा- राणापुर, जोबट, आलीराजपुर, बड़वानी व छोटा उदयपुर (गुजरात) से आने वाले भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे।

पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ के पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि शहरी क्षेत्र झाबुआ में भारी वाहनों के कारण दुर्घटना होना पाया गया हैं। कस्बा झाबुआ में भारी वाहनों के कारण जाम लगना, आम जनता एवं स्कूल के बच्चों की जान का खतरा बना रहता है। शहर में वाहन दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने के उद्देश्य से प्रातः 07ः00 बजे से रात्रि 08ः00 बजे तक कस्बा झाबुआ (शहरी क्षेत्र झाबुआ) में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित करने का अनुरोध किया गया है।

प्रतिबन्ध से मुक्त वाहन - यह प्रतिबन्ध केवल भारवाहनों के लिए लागू है। शेष हल्के वाहन जैसे कार/जीप गतिसीमा अधिकतम 40 कि.मी. प्रति घण्टा तथा दोपहिया वाहन यथावत पूर्ववत् आवागमन कर सकेंगे। आपातकालीन एवं मूलभूत सुविधाओं में संलग्न वाहन जैसे फायरबिग्रेड, नगर निगम की सेवाओं में लगे वाहन, पुलिस वाहन, सेना के वाहन, विद्युत मण्डल के कार्य में संलग्न वाहन, कृषि उपज मण्डी में लगे वाहन, यात्री बसें, स्कूल वाहन/बसें, दुग्धवाहन, पेट्रोल, डीजल, कैरोसीन, एलपीजी गैस जो शहर के भीतर ही स्थित प्रतिष्ठानों पर लोडिंग-अनलोडिंग करेंगे, को प्रतिबंधित समय में शहरी क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति होगी साथ ही उक्त भारी वाहनों के लिए शहरी क्षेत्र में गतिसीमा अधिकतम 20 कि.मी. प्रतिघण्टा रहेगी। किसी विशेष भारी वाहन को विशेष परिस्थितियों में शहर में प्रवेश की अनुमति अपर जिला मजिस्ट्रेट झाबुआ द्वारा दी जा सकेगी।

प्रतिबंधित घोषित किये गये क्षेत्र में मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 116 के अन्तर्गत नियमों का पालन कराये जाने हेतु उक्त मार्गों के प्रवेश स्थान पर आवश्यक सूचना एवं समुचित यातायात चिन्ह लगवाये जाये। आदेश का क्रियान्वयन यातायात पुलिस की तैनाती करते हुए भारी वाहनों के प्रवेश को रोका जाए। उक्त आदेश 05 फरवरी 2026 से 05 मार्च 2026 तक प्रभावशील रहेगा।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने देवझिरी में शिवरात्रि मेले की तैयारियों का जायजा लिया

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने गुरुवार शाम को छैगांवमाखन विकासखंड के ग्राम देवझिरी में शिवरात्रि पर्व पर आयोजित होने वाले मेले के लिए की जा रही तैयारियो का जायजा लिया। उन्होंने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करने के संबंध में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान जनपद पंचायत छैगांवमाखन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पंकज डाले एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने मेला स्थल के आसपास वाहन पार्किंग व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, अस्थाई शौचालय की व्यवस्था तथा मेला स्थल पर साफ सफाई के लिए पंचायत सचिव को निर्देशित किया।

आकांक्षी जिलों एवं विकासखंडों के लिए राज्य स्तरीय आंतरिक परामर्श कार्यशाला आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संचालक, भौमिकी एवं खनिकर्म विभाग की अध्यक्षता में आकांक्षी जिलों एवं विकासखंडों के सूचकों की संतृप्ति सुनिश्चित करने हेतु गैप फिलिंग के लिए जिला खनिज न्यास मद के माध्यम से परियोजनाएं तैयार किए जाने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय आंतरिक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य जिला खनिज न्यास निधि का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करते हुए आकांक्षी जिलों एवं विकासखंडों में विकास की गति को तेज करना रहा। कार्यशाला में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना अंतर्गत जारी दिशा-निर्देशों की क्षेत्रवार प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए जिला खनिज न्यास मद से परियोजनाएं तैयार किए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि योजना के प्रावधानों के अनुरूप प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी एवं जनहितकारी परियोजनाएं प्रस्तावित की जाएं, जिससे आकांक्षी जिलों एवं विकासखंडों के सूचकों में अपेक्षित सुधार सुनिश्चित हो सके।

इसके साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि जिला स्तर पर बैठक आयोजित कर संबंधित विभागों से प्राप्त सुझावों को संकलित कर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया जाए, ताकि योजनाओं का क्रियान्वयन सुचारू रूप से किया जा सके। कलेक्टर नेहा मीना ने अवगत कराया कि जिले में भी प्राथमिकता के आधार पर स्वास्थ्य एवं शिक्षा के सूचकों हेतु मद का प्रयोग किया जा रहा है। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षय सिंह मरकाम एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर होगी दण्डात्मक कार्यवाही

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। वॉट्सअप, फेसबुक व सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफॉर्म्स पर आपत्तिजनक पोस्ट करने और सोशल मीडिया के माध्यम से धार्मिक भावनाएं भड़काने वालों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री ऋषव गुप्ता ने इस संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है। जारी आदेश के अनुसार आपत्तिजनक संदेश, फोटो या वीडियो को फारवर्ड करने अथवा पोस्ट करने पर ग्रुप एडमिन तथा संदेश प्रसारित करने वाले के विरूद्ध यह दण्डात्मक कार्यवाही होगी। आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्यवाही की जायेगी। जारी आदेश के अनुसार फेसबुक संचालन करने वाले नागरिक तथा वॉट्सअप ग्रुप एडमिन अपने ग्रुप में धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने वाले संदेश के लिए जिम्मेदार होंगे। अतः ग्रुप एडमिन से कहा गया है कि वे स्वयं ऐसा कोई विवादास्पद संदेश न तो खुद प्रसारित करे और ना ही अपने ग्रुप के सदस्यों को ऐसा करने दें।

जिले में बल्क वैंकेंसी के लिए निजी क्षेत्र के साथ मिलक जुटाये जायेंगे रोजगार के अवसर

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के बेरोजगार युवओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न प्रयास किये जा रहे है। इसी क्रम में जिला रोजगार कार्यालय द्वारा रोजगार मेले के माध्यम से निजी क्षेत्रों की प्रतिष्ठित कंपनियों, एनआरएलएम द्वारा बीमा सखी, आरसेटी द्वारा नवीन रोजगारन्मुखी प्रशिक्षण कोर्स द्वारा जिले में रोजगार सृजन किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी श्री टीएस डुडवे से प्राप्त जानकारी अनुसार 10 फरवरी मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय परिसर बड़वानी में रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। इस मेले के माध्यम से निजी क्षेत्र की 5 प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा योग्य आवेदकों का साक्षात्कार पश्चात् चयन कर ऑफर लेटर प्रदाय किये जायेंगे। प्रमुख कंपनिया एवं भर्ती विवरण ऽ मेले में महिमा फायबर्स प्रायवेट लिमिटेड ग्राम भीलगांव जिला खरगोन में श्रमिक के 150 पद हेतु 5वीं से 12वीं उत्तीर्ण और 18 से 25 वर्ष के पुरूष और महिला आवेदन कर सकते है। वेतन 10530 रुपये प्रतिमाह निर्धारित है। ऽ मराल ओवरसीज लिमिटेड ग्राम खलबुजुर्ग जिला खरगोन में प्रशिक्षु के 100 पदों पर न्यूनतम 5वीं पास और 18 से 25 वर्ष की आयु सीमा के महिला एवं पुरूष आवेदकों से आवेदन आमंत्रित है। वेतन 7904 से 11258 रुपये प्रतिमाह के बीच रहेगा। ऽ आईनोक्स विण्ड ग्राम रेल्वाखुर्द जिला बड़वानी में हेल्पर पद के 30 पदों पर केवल पुरूषों की भर्ती होगी। योग्यता 10वीं या 12वीं कक्षा उत्तीर्ण और वेतन 13 हजार रुपये प्रतिमाह निर्धारित है। ऽ केडीएस इंटरप्रायजेस पीथमपुर जिला धार में तकनीशियन कम आपरेटर/इलेक्ट्रिशियन/पेंटर/फिटर जैसे तकनीकी पदों के लिए 80 पद रिक्त है।

कलेक्टर की पहल से दिव्यांगजनों को मिला आत्मनिर्भरता का नया साधन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के संवेदनशील एवं जनहितकारी प्रयासों के परिणामस्वरूप जिले के दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस पहल के अंतर्गत 60 प्रतिशत राशि स्वयं के खर्च से एवं 40 प्रतिशत राशि कलेक्टर द्वारा सीएसआर (छ्रस्क्र) एवं रेडक्रॉस के माध्यम से दिव्यांगजनों को पेट्रोल चलित वाहन प्रदान किए गए।

इस क्रम में कु. रमिला हटिला निवासी ग्राम समोई तहसील राणापुर एवं श्री हरीश भाबोर निवासी ग्राम भोडली, पोस्ट बन तहसील राणापुर को पेट्रोल चलित वाहन प्रदान किए गए।

कु. रमिला हटिला ने बताया कि वे सिलाई मशीन का कार्य कर अपनी आजीविका चलाती हैं। पूर्व में सिलाई से संबंधित सामान लानेड्ढले जाने में उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पेट्रोल चलित वाहन प्राप्त होने के बाद अब वे आसानी से कहीं भी आड्ढजा पा रही हैं।

इस सुविधा से न केवल उनका कार्य सरल हुआ है, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की दिशा में उन्हें नई मजबूती मिली है। उन्होंने इस सहयोग के लिए कलेक्टर नेहा मीना के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्री हरीश भाबोर ने बताया कि उन्हें दैनिक आवागमन में अत्यधिक परेशानी होती थी। उनकी पत्नी सब्जी मंडी का कार्य करती हैं, जिसमें उन्हें लानेड्ढले जाने में कठिनाई होती थी। साथ ही श्री हरीश कोचिंग पढ़ाने का कार्य करते हैं, जिसके लिए समय पर पहुंचना आवश्यक होता था।

योजना के अंतर्गत पेट्रोल चलित वाहन मिलने से अब उन्हें एवं उनके परिवार को बड़ी सुविधा हुई है। इससे वे समय पर बच्चों को पढ़ा पा रहे हैं तथा उनकी पत्नी के कार्य में भी सहयोग मिल रहा है। उन्होंने इस सहायता के लिए कलेक्टर नेहा मीना को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।

जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगजनों को स्वावलंबी बनाने हेतु किए जा रहे ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने की दिशा में प्रेरित कर रहे हैं।

सभी पेयजल योजनाएं फरवरी अंत तक पूर्ण कर पंचायतों को हस्तांतरित करें

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक गुरुवार को कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पंधाना विधायक श्रीमती छाया मोरे के अलावा कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सुश्री वर्षा शिवपुरे एवं अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस माह के अंत तक सभी अधूरी पेयजल योजनाओं को पूर्ण करें। साथ ही पूर्ण हो चुकी नल जल योजनाओं को संबंधित पंचायत को हस्तांतरित करें। उन्होंने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और एसडीएम को निर्देश दिए कि पूर्ण हो चुकी नल जल योजनाओं को वे अपनी देखरेख में पंचायतों को हस्तांतरित कराएं।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में कहा कि जो नल जल योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, उनका संयुक्त निरीक्षण जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग करें । जो भी कमी पाई जाए, उसे पूर्ण कराया जाए तथा सभी कमी पूर्ण होने के बाद पेयजल योजना पंचायत को हस्तांतरित कर दी जाए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं एसडीएम से कहा कि गांव में संचालित पेयजल योजनाओं के व्यवस्थित संधारण लिए ग्रामीणों से जलकर की वसूली नियमित रूप से की जाए । क्योंकि यदि जलकर वसूली नहीं की जाएगी तो पंचायत को पेयजल योजना के संधारण में कठिनाई आएगी।

बैठक में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सुश्री वर्षा शिवपुरे ने बताया कि खंडवा विकासखंड में 60 पेयजल योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं तथा सभी 60 पेयजल योजनाएं संबंधित पंचायत को हस्तांतरित भी की जा चुकी हैं । इसी तरह बलडी विकासखंड में भी सभी 45 पूर्ण नल जल योजनाएं संबंधित पंचायत को हस्तांतरित कर दी गई हैं। बैठक में बताया गया कि जिले में 2 लाख से अधिक परिवारों को नल कनेक्शन के माध्यम से जलप्रदाय किया जा रहा है। बैठक में जल निगम के अधिकारियों ने बताया कि जिले में कुल 122 समूह जल प्रदाय योजनाएं संचालित हैं।

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी को लेकर विद्यार्थियों को दिया गया मार्गदर्शन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवती में आगामी बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष मार्गदर्शन सह प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एवं अनुभवी शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को परीक्षा की प्रभावी तैयारी, ओएमआर शीट भरने की सही विधि, उत्तर लेखन की रणनीति तथा समय प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तार से दी गईं।

सत्र के दौरान शिक्षकों ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं में विषय ज्ञान के साथ-साथ उत्तर प्रस्तुति और समय का सही उपयोग अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों को नमुना ओएमआर शीट उपलब्ध कराई गई तथा उसे सही तरीके से भरने का प्रशिक्षण भी दिया गया। वरिष्ठ शिक्षक श्री अनीश खान ने कहा कि ओएमआर शीट भरते समय रोल नंबर, विषय, विषय कोड,संस्था कोड, अपना नाम आदि सही जगह एवं सही तरीके से भरना है। साथ ही किसी भी प्रकार की काट-छांट से बचने की सलाह भी दी। वरिष्ठ शिक्षक श्री प्रमोद कुमार पटेल ने कहा कि ओएमआर शीट को किसी भी प्रकार से मोड़े नहीं और उसे गंदा ना करें।

उत्तर लेखन के संबंध में प्राचार्य श्री असलम खान ने विद्यार्थियों को निर्देशित किया कि प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़कर ही उत्तर लिखें, उत्तर स्पष्ट, बिंदुवार और सुव्यवस्थित हों। जहां आवश्यक हो वहां आरेख, तालिका अथवा उदाहरणों का प्रयोग करने से उत्तर की गुणवत्ता बढ़ती है। साथ ही शब्द सीमा का ध्यान रखने और अनावश्यक विस्तार से बचने की बात भी कही गई।

परीक्षा देने तय समय से पूर्व पहुंचे और रिलैक्स होकर अपने नियत कक्ष में बैठे। प्रवेश पत्र साथ में लाना अनिवार्य है। विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ना चाहिए। शिक्षक शफीक शेख ने समय प्रबंधन पर जोर देते हुए बताया कि प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए प्रारंभिक कुछ मिनट अवश्य निकालें, सरल प्रश्न पहले हल करें और कठिन प्रश्नों के लिए पर्याप्त समय सुरक्षित रखें। पूरे प्रश्न पत्र को समय के भीतर हल करने के लिए पूर्व अभ्यास अत्यंत आवश्यक है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को परीक्षा से पूर्व नियमित अध्ययन, पुनरावृत्ति, पर्याप्त नींद, संतुलित आहार तथा मानसिक तनाव से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

शिक्षकों ने आत्मविश्वास बनाए रखने, सकारात्मक सोच रखने और परीक्षा को अवसर के रूप में देखने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने अपने प्रश्न भी पूछे, जिनका शिक्षकों द्वारा समाधान किया गया। यह मार्गदर्शन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ और उन्हें आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए आत्मविश्वास व सही दिशा प्रदान करने वाला रहा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

138 साल पुराना कोठी पैलेस बनेगा 'वीर भारत संग्रहालय'

सिंहस्थ 2028 में पर्यटक मंदिरों के साथ इतिहास और शौर्य गाथाओं से भी होंगे रूबरू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी उज्जैन में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को जल्द ही एक नया आकर्षण मिलने जा रहा है। करीब 138 साल पुरानी ऐतिहासिक कोठी पैलेस को अब वीर भारत संग्रहालय के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां वैदिक काल से लेकर रामायण, महाभारत और स्वाधीनता संग्राम तक देश के वीर नायकों और महापुरुषों की प्रेरक गाथाएं आधुनिक माध्यमों से प्रदर्शित की जाएंगी।

फिलहाल कोठी पैलेस का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है, जिसमें इसकी ऐतिहासिक पहचान और मूल स्थापत्य को पूरी तरह सुरक्षित रखा जा रहा है। यह परियोजना उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड (यूएससीएल) के माध्यम से लगभग 28.07 करोड़ रुपये की लागत से पूरी की जा रही है। निर्माण कार्य 18 महीनों में पूर्ण किया जाएगा, ताकि सिंहस्थ 2028 के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु इस संग्रहालय को देख सकें। वीर भारत संग्रहालय में देश के नायकों के जीवन, त्याग और बलिदान को पेंटिंग, उत्कीर्णन, शिल्पांकन और संदेशात्मक प्रदर्शनों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को यह बताना है कि भारत आज जिस मुकाम पर है, वहां तक पहुंचाने में किन महान विभूतियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया।

मूल स्वरूप में होगा जीर्णोद्धार

निर्माण एजेंसी- मेसर्स उष्टा इन्फिनिटी कंस्ट्रक्शन कंपनी प्रालि एवं मेसर्स श्रीनिवासा पॉवर सॉल्यूशन

वास्तुविद कंसल्टेंट- मेसर्स धरोहर, नई दिल्ली

लागत- 28.07 करोड़ रुपये

अवधि- 18 माह

विशेषता- मूल स्थापत्य और ऐतिहासिक स्वरूप का संरक्षण

ऐसा है ऐतिहासिक कोठी पैलेस

निर्माण- 1887-88

निर्माता- ग्वालियर के तत्कालीन शासक जीवाजी राव सिंधिया के समय

स्थापत्य- भारतीय और यूरोपीय शैली का अनूठा संगम

भारतीय प्रभाव- राजपूत और मराठा शैली

यूरोपीय प्रभाव- विशाल सभागारों के गुंबद रोम (इटली) के सेंट पॉल चर्च से प्रेरित

विशेषताएं- राजपूत शैली के दरवाजे-झरोखे, मराठा शैली के बरामदे और कई बड़े-छोटे कक्ष

कलेक्ट्रेट और न्यायालय भी रह चुके हैं यहां

कोठी पैलेस में समय-समय पर जिला न्यायालय, संभागायुक्त कार्यालय, कलेक्टर और तहसील कार्यालय संचालित होते रहे। अब इन सभी को नई इमारतें मिलने के बाद कोठी पैलेस को पूरी तरह वीर भारत संग्रहालय के रूप में विकसित किया जा रहा है।

सिंहस्थ 2028 : स्टेशन पर बिछड़े बच्चों की सुरक्षा करेगा महिला एवं बाल विकास विभाग

प्लेटफार्म नंबर-1 पर शुरू हुई चाइल्ड लाइन सेवा, 24 घंटे तैनात रहेगा स्टाफ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना को देखते हुए रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा और मानवीय व्यवस्थाओं को और मजबूत किया जा रहा है। यात्रियों की भारी भीड़ के बीच बच्चों के माता-पिता से बिछड़ने की आशंका को ध्यान में रखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग ने उज्जैन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 पर चाइल्ड लाइन सेवा की शुरुआत कर दी है।

यह सेवा प्लेटफार्म नंबर-1 पर स्थित जीआरपी थाना परिसर के समीप संचालित की जा रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग के

महिला एवं बाल विकास विभाग

जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि सिंहस्थ के दौरान यदि कोई बच्चा अपने माता-पिता से बिछड़ जाता है अथवा स्टेशन परिसर में लावारिश अवस्था में पाया जाता है, तो उसे तुरंत चाइल्ड लाइन कक्ष में लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ अवधि के लिए यहां अस्थाई आश्रय स्थल भी तैयार किया जाएगा, जहां बच्चों को सुरक्षित वातावरण में रखा जाएगा। माता-पिता के मिलने तक बच्चों के लिए खान-पान, रहने और देखरेख की समुचित व्यवस्था रहेगी। लगातार तलाश के बावजूद यदि किसी बच्चे के परिजनों का पता नहीं चलता है, तो नियमानुसार उसे बाल गृह भेजा जाएगा। स्टेशन पर शुरू की गई इस चाइल्ड लाइन सेवा को प्रभावी बनाने के लिए विभाग ने 24 घंटे स्टाफ तैनात किया है। वर्तमान में दो-दो कर्मचारियों की 8-8 घंटे की तीन शिफ्टों में कुल छह कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सिंहस्थ के दौरान यात्रियों की संख्या बढने पर अतिरिक्त अमला भी तैनात किया जाएगा।

सिहंस्थ 2028 के निर्माणाधीन कार्यो में सुरक्षा संबंधी सभी उपाय किए जाएं- श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिहंस्थ मेला कार्यालय के सभागृह में गुरूवार को सिहंस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने सिंहस्थ 2028 के लिए किए जा रहे अधोसंरचना विकास के कार्यो की समीक्षा की। बैठक में श्री सिंह ने सिहंस्थ कार्यो को करने वाली सभी एजेंसियों को कार्य के दौरान सुरक्षा के उपाय किए जाने और निर्माणाधीन कार्य की गति बढ़ाने और समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए है। बैठक में अपर आयुक्त उज्जैन संभाग श्री रत्नाकर झा, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

बैठक में सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह ने विभागवार कार्यो की समीक्षा की। बैठक में सेतू विभाग द्वारा प्रचलित विभिन्न ब्रिज निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी दी गई। बैठक में पीएचई की पाईप लाइन शिफ्टिंग का कार्य तेजी से करने के निर्देश दिए। सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह ने पीएचई विभाग के अधिकारियों को मौके पर जाकर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। सिंहस्थ मेला अधिकारी ने निर्माण कार्य करने वाली सभी एजेंसियों द्वारा निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा के पूरे उपाय करने के निर्देश दिए। सेतू विभाग के माध्यम से किए जा रहे फ्रीगंज आरओबी, वाकणकर ब्रिज, श्री मंगलनाथ मंदिर से कमेड, कर्कराज से भूखीमाता, केडी गेट से दुर्गादास की छत्री, छोटा पुल, पीपलीनाका से भैरवगढ़ मार्ग, श्री कालभैरव से सिद्धवट, श्री कालभैरव से गढ़कालिका, लालपुर के ब्रिज निर्माण कार्य समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से करने के निर्देश भी दिए।

एडीजी की भूमिका में राकेश गुप्ता ने संभाली उज्जैन की कमान

महाकाल दर्शन के बाद ग्रहण किया पदभार, सिंहस्थ में मिलेगा अनुभव का लाभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आईपीएस राकेश गुप्ता ने गुरुवार को एडीजी की भूमिका में उज्जैन रेंज की कमान संभाली है। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में पांचवीं बार उनकी आमद हुई है। एडीजी के रूप में कार्यभार संभालने से पहले उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन किए।

1999 बैच के आईपीएस राकेश गुप्ता गुरुवार को उज्जैन पहुंचे। कुछ दिन पहले ही मध्य प्रदेश शासन द्वारा उन्हें उज्जैन रेंज की कमान एडीजी के रूप में सौपी गई थी। कार्यभार संभालने से पहले उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन किए और पदभार ग्रहण करने पहुंचे। ऑफिसर मैस पर उनकी स्थानीय पुलिस अधिकारियों द्वारा अगवानी की गई और फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। एडीजी राकेश गुप्ता पांचवीं बार उज्जैन आए हैं। सबसे पहले प्रोविजनल के रूप में उन्होंने अपनी सेवा दी थी। उसके बाद वह एसपी के रूप में लौटे थे, उसे दौरान उन्होंने अपराधों पर अंकुश लगाने और कानून व्यवस्था को बनाए रखने में अपनी अहम भूमिका निभाई थी। उसके बाद डीआईजी और आईजी के रूप में भी अपनी सेवाएं वह बाबा महाकाल की नगरी में दे चुके हैं। इस बार एडीजी के रूप में उन्हें उज्जैन रेंज की कमान सौंपी गई है। वर्ष 2016 सिंहस्थ महाकुंभ में आईजी रहे गुप्ता को उज्जैन की भोगोलिक स्थिति के साथ पूरे संभाग की जानकारी है। सिंहस्थ 2028 में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण साबित होगी।

इंदौर में रहा लंबा कार्यकाल- राकेश गुप्ता का इंदौर में लंबा कार्यकाल रहा है। वे इंदौर रेंज के आईजी, इंदौर के एसएसपी और बाद में इंदौर के ही तीसरे पुलिस कमिश्नर भी रह चुके हैं। उल्लेखनीय है जब तत्कालीन पुलिस कमिश्नर मकरंद देऊस्कर प्रतिनियुक्ति पर गए थे तब राकेश गुप्ता को इंदौर का पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया था। इंदौर में डीआईजी रहते हुए राकेश गुप्ता ने कुख्यात सियागंज खड़ी कराई गैंग, कोतवाली क्षेत्र में हुए बोहरा व्यापारी हत्याकांड सहित कई हाई-प्रोफाइल मामले में आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

महाकाल लोक में अब पत्थर की होंगी देव प्रतिमाएं

एफआरपी मूर्तियों की जगह ले रहीं शिव और सप्त ऋषियों की मूर्तियां, सिंहस्थ 2028 से पहले काम होगा पूरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर के महाकाल लोक में अब फाइबर रिइनफोर्स्ड प्लास्टिक (एफआरपी) से बनी मूर्तियों की जगह पत्थर से बनी शास्त्रसम्मत और स्थायी मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए यह काम तेजी से किया जा रहा है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को भव्यता, स्थायित्व और सांस्कृतिक गरिमा का अनुभव मिल सके।

महाकाल लोक में भगवान शिव सहित सप्त ऋषियों की पत्थर की मूर्तियां इन दिनों हरिफाटक ब्रिज के नीचे जिला पंचायत के हाट बाजार परिसर में तैयार की जा रही हैं। कुल 8 मूर्तियों में से भगवान शिव सहित 5 ऋषियों की मूर्तियां बनकर तैयार हो चुकी हैं, जबकि शेष 2 ऋषियों की मूर्तियों का काम अंतिम चरण में है, जो अगले 10 से 15 दिनों में पूरा हो जाएगा।

यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में महाकाल लोक के लोकार्पण के दौरान यहां 9 से 25 फीट ऊंची 127 से अधिक विशाल मूर्तियां स्थापित की गई थीं, जिनमें अधिकांश एफआरपी से बनी थीं। 11 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकाल लोक का लोकार्पण किया था। लेकिन मई 2023 में आई तेज आंधी में सप्त ऋषियों की 6 मूर्तियां गिरकर क्षतिग्रस्त हो गई थीं, जिससे उनकी गुणवत्ता और दीर्घकालिक टिकाऊपन पर सवाल उठे। घटना के बाद राज्य सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ा। इसके बाद एफआरपी मूर्तियों को दोबारा लगाया गया, लेकिन सरकार ने नीति स्तर पर निर्णय लिया कि महाकाल लोक जैसे वैश्विक धार्मिक और पर्यटन स्थल पर पत्थर और धातु की ही मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। यह निर्णय 16 अक्टूबर 2024 को सिंहस्थ 2028 के लिए गठित मंत्रिमंडल समिति की बैठक में लिया गया, जिसमें इस कार्य के लिए 75 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई।

मूर्ति निर्माण की जिम्मेदारी महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ को सौंपी गई है। इसके बाद देशभर के शिल्पकारों से प्रस्ताव मंगाए गए और ओडिशा के प्रसिद्ध शिल्पकारों को यह कार्य सौंपा गया।

15 कलाकार दिन-रात जुटे मूर्तियों को आकार देने में - ओडिशा के शिल्पकार ईश्वरचंद महाराणा और उनकी 15 सदस्यीय टीम पिछले कई महीनों से लगातार इस काम में जुटी हुई है। कलाकारों ने बताया कि भगवान शिव और सप्त ऋषियों की मूर्तियों का निर्माण अप्रैल 2024 से शुरू किया गया था। वर्तमान में 8 में से 6 मूर्तियां पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा देवताओं के गुरु बृहस्पति की मूर्ति भी बनाई जा रही है। सभी मूर्तियों के लिए कमल के आकार के आकर्षक आसन तैयार किए गए हैं।

10.5 फीट ऊंची मूर्ति, 4.5 फीट का कमल आसन - मूर्तियों की खास बात यह है कि इन्हें राजस्थान के बंशी पहाड़ के लाल पत्थर से बनाया गया है, जो अपनी मजबूती और टिकाऊपन के लिए जाना जाता है। सभी मूर्तियों की ऊंचाई 10.5 फीट रखी गई है, जबकि कमल के आकार के आसन 4.5 फीट ऊंचे हैं। भगवान शिव की मूर्ति के लिए अलग और विशेष आसन तैयार किया गया है।

मूर्ति निर्माण एक नजर में

एफआरपी मूर्तियों की जगह पत्थर की मूर्तियां

भगवान शिव सहित सप्त ऋषियों की प्रतिमाएं

8 में से 6 मूर्तियां तैयार

राजस्थान के बंशी पहाड़ पत्थर का उपयोग

75 करोड़ रुपये की स्वीकृति

सिंहस्थ 2028 से पहले काम पूरा करने का लक्ष्य

हाईकोर्ट की अवमानना में उज्जैन के तत्कालीन डीईओ आनंद शर्मा दोषी

अनुकंपा नियुक्ति में नई शर्त थोपना पड़ा भारी, 10 मार्च को सजा पर फैसला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति के एक मामले में अदालत के आदेश की अनदेखी को गंभीर मानते हुए उज्जैन के तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) आनंद शर्मा को अवमानना का दोषी ठहराया है। जस्टिस प्रणय वर्मा की एकलपीठ ने साफ कहा कि स्पष्ट न्यायिक आदेश के बावजूद नई शर्त लगाना अदालत के अधिकारों को चुनौती देने जैसा है। अब इस मामले में 10 मार्च को सजा पर सुनवाई होगी।

मामला बड़नगर निवासी चेतन सिंह से जुड़ा है। पिता के निधन के बाद चेतन ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था। विभाग ने 9 फरवरी 2023 को उन्हें प्रयोगशाला शिक्षक के पद पर नियुक्त किया, लेकिन अगले ही दिन यह कहकर नियुक्ति रद्द कर दी गई कि उन्होंने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पास नहीं की है।

चेतन सिंह ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। 11 अगस्त 2023 को अदालत ने नियुक्ति निरस्त करने का आदेश रद्द कर दिया और स्पष्ट कहा कि अनुकंपा नियुक्ति में टीईटी अनिवार्य नहीं है। साथ ही यह भी उल्लेख किया कि पूर्व में बिना टीईटी पास शिक्षक नियुक्त किए जा चुके हैं।

इसके बावजूद तत्कालीन डीईओ आनंद शर्मा ने 15 मार्च 2024 को नया आदेश जारी कर चेतन पर तीन साल में टीईटी पास करने की शर्त थोप दी। इसे कोर्ट के आदेश की अवहेलना मानते हुए चेतन ने दोबारा अवमानना याचिका दायर की।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि जब नियुक्ति निरस्तीकरण का आदेश पहले ही रद्द हो चुका था, तो नियुक्ति स्वतः बहाल मानी जानी चाहिए थी। नई शर्त लगाना अधिकारी की मनमानी और जानबूझकर की गई अवमानना है।

गौरतलब है कि आनंद शर्मा को अप्रैल 2024 में उज्जैन कलेक्टर ने निजी स्कूलों में अव्यवस्थाओं के चलते पद से हटा दिया था। अब 10 मार्च को होने वाली सुनवाई में वे सजा को लेकर अपना पक्ष रख सकेंगे।

छात्र ने साथियों के साथ मिलकर छात्र से की मारपीट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोचिंग पर एक माह दो छात्रों के बीच हुए विवाद का मामला कोचिंग संचालक द्वारा दोनों के माता-पिता को बुलाकर शांत कर दिया था, लेकिन एक छात्र रंजीश रखें था, बुधवार को उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर छात्र के साथ बुरी तरह मारपीट की। मणिनगर में रहने वाला आर्यन पिता मोहन चौहान 15 साल केंद्रीय विद्यालय में कक्षा नवी का छात्र है और दक्षिण मैदान के समीप कोचिंग पर अध्ययन करने जाता है। एक माह पहले कोचिंग पर ही पढ़ने वाले वरुण से उसका विवाद हो गया था। उस दौरान कोचिंग संचालक द्वारा दोनों के माता-पिता को बुलाकर समझाइश गई थी और मामला शांत कराया गया था। वरुण ने कोचिंग आना छोड़ दिया था लेकिन आर्यन से रंजीश रख रहा था। बुधवार को आर्यन कोचिंग पहुंचा था जहां से शाम को अध्ययन पूरा करने के बाद वापस घर जाने के लिए लौट के लिए बाहर आया था। इस दौरान वरुण अपने दो साथियों के साथ पहुंचा और आर्यन के साथ मारपीट शुरू कर दी। उसे बुरी तरह लात घुसो से पीटा गया और घायल कर दिया कुछ लोगों ने बीच बचाव किया। आर्यन के साथ मारपीट की खबर मिलते ही परिजन भी पहुंच गए और उसे उपचार के लिए चरक अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद आर्यन को छुट्टी दे दी। परिवार द्वारा मामले की शिकायत पुलिस को दर्ज कराई जाएगी।

शराब के रुपए नहीं देने पर मारा चाकू- मक्सी रोड महावीर एवेन्यू के सामने बीती रात युवक के साथ मारपीट की गई और चाकू मार कर घायल कर दिया गया। घटनाक्रम में आनंद पिता राजकुमार पाल निवासी कंचनपुरा को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल आनंद ने बताया कि वह रात 9꞉30 बजे मोबाइल रिचार्ज करने के लिए जा रहा था तभी महावीर एवेन्यू के गेट के सामने तीन-चार युवको ने उसे रोका और शराब के पैसे मांगने लगे मना करने पर चाकू मारा है जो पेट और पैर पर लगा है। मामले में पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया है।

आज निशुल्क स्वास्थ्य शिविर मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक खिलचीपुर में लगाया जाएगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि संकल्प से समाधान अभियान के अन्तर्गत 05 फरवरी को मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक, छत्रीचौक उज्जैन पर निःशुल्क स्थास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वार्ड कमांक-23 क्षेत्रीय पार्षद श्री रजत मेहता व जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल, प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. प्रकाश बुंदेला सहित गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपलब्धियों के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में संकल्प से समाधान अभियान के अन्तर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जा रहे है।

महाकाल मंदिर के आसपास की सड़कें रोज जाम

गुदरी चौराहा से तोपखाना आने वाली घाटी पर ऑटो रिक्शा और मैजिक का कब्जा, शहर के लोग परेशान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ऐसा लगता है कि महाकाल के आसपास की सडक़ों पर यातायात व्यवस्था प्रशासन ने भगवान भरोसे छोड़ दी है। यहाँ की भीड़ वाले क्षेत्रों के रहवासियों ने दूसरी कॉलोनियों में मकान ले लिए हैं।

उल्लेखनीय है कि देशभर से हर महीने लाखों श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन पहुंच रहे हैं, लेकिन मंदिर क्षेत्र के आसपास की सडक़ों पर रोज लगने वाले जाम ने शहर की यातायात व्यवस्था की पोल खोल दी है। हालात ऐसे बन गए हैं कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल चलना भी चुनौती बन चुका है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि प्रशासन ने महाकाल क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को मानो भगवान भरोसे छोड़ दिया है। सबसे अधिक परेशानी गुदरी चौराहा से तोपखाना की ओर जाने वाली घाटी पर देखने को मिल रही है। इस मार्ग पर ऑटो रिक्शा और मैजिक वाहनों का अव्यवस्थित जमावड़ा बना रहता है। सडक़ पर बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण यहां से गुजरने वाले श्रद्धालुओं, दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार स्थिति इतनी बिगड़ जाती है कि पैदल निकलने के लिए भी जगह नहीं बचती। महाकाल मंदिर के आसपास स्थित घनी आबादी वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोग अब यहां से पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं। रहवासियों का कहना है कि रोजमर्रा की आवाजाही, आपात स्थिति में निकलना और बच्चों-बुजुर्गों का सुरक्षित आवागमन मुश्किल हो गया है। इसी कारण कई परिवारों ने अन्य कॉलोनियों में मकान खरीद लिए हैं या किराए पर रहना शुरू कर दिया है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि यातायात पुलिस और नगर प्रशासन की ओर से न तो स्थायी समाधान किया गया है और न ही ऑटो-मैजिक के लिए अलग स्टैंड की व्यवस्था की गई है। दर्शनार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन उसके अनुरूप सडक़, पार्किंग और ट्रैफिक प्लान तैयार नहीं किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की मंशानुसार औद्योगिक क्षेत्रों में युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशानुरूप जिले में स्थापित उद्योग व लघु उद्योगों में जिले के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए पोर्टल भी बनाया गया है। पोर्टल पर युवाओं की प्रोफाइल देखकर जरूरत अनुसार प्रशिक्षण देकर रोजगार दिए जा रहे।

इसी तारतम्य में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार सुबह कलेक्टर कार्यालय सभागृह में जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के प्रतिनिधियों से कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका लाभ लेकर युवाओं के लिए रोजगार का सृजन किया जाए।बैठक में स्थानीय युवाओं को रोजगार प्रदान करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित उद्यमियों द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में बताई गई समस्याओं के निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर श्री सिंह ने औद्योगिक क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम को निर्देशित किया है। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कों पर ब्लैक स्पॉट चिन्हित करने के लिए मौके पर जाकर अधिकारियों से निरीक्षण कर निदान करने के निर्देश दिए। औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा के लिए पुलिस पेट्रोलिंग की व्यवस्था के लिए जिला व्यापार उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक को पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखने के निर्देश दिए।

उद्यानों की बजाय कहीं और काम कर रहे माली

नगर निगम ने हर उद्यान में दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई लेकिन कोई नहीं पहुंचता, अतिक्रमण हो रहे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम सीमा में शहर में 200 से अधिक छोटे-बड़े उद्यान है। इनमें से बड़े उद्यानों में 2-2 कर्मचारियों की ड्यूटी नगर निगम ने लगा रखी है, लेकिन यह कर्मचारी उद्यान में नहीं जाते हैं ये अन्यत्र जगह काम कर रहे हैं। इसके कारण उद्यानों की देखरेख नहीं हो रही है और शहर के 25 से अधिक महत्वपूर्ण उद्यान अतिक्रमण की चपेट में है।

उल्लेखनीय है कि नगर निगम सीमा में शहरभर में फैले छोटे-बड़े उद्यान अब देखरेख के अभाव में बदहाली का शिकार होते जा रहे हैं। शहर में 200 से अधिक सार्वजनिक उद्यान हैं। इनमें प्रमुख रुप से चामुंडा माता चौराहा उद्यान, नगर वन, कालिदान उद्यान, गांधीबालोद्यान, दशहरा मैदान स्थित उद्यान, गोपाल मंदिर का बगीचा आदि सहित कई बड़े उद्यान हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश में नियमित रखरखाव नहीं हो पा रहा है। हालात यह हैं कि बड़े उद्यानों में नगर निगम द्वारा 2-2 कर्मचारियों की ड्यूटी तो लगाई गई है, लेकिन ये कर्मचारी अपने निर्धारित उद्यानों में जाने के बजाय अन्य स्थानों पर काम करते नजर आ रहे हैं।

देखरेख के अभाव में उद्यानों की हरियाली सूखने लगी है, पौधे नष्ट हो रहे हैं और कई स्थानों पर झूले व अन्य सुविधाएं जर्जर अवस्था में पहुंच गई हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि शहर के 25 से अधिक महत्वपूर्ण उद्यान अतिक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। कहीं पार्किंग बना दी गई है तो कहीं अस्थायी दुकानें और निर्माण खड़े हो गए हैं। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि उद्यान बच्चों, बुजुर्गों और आम नागरिकों के लिए सुकून का स्थान होते हैं, लेकिन निगम की लापरवाही के चलते ये अब असुरक्षित और अव्यवस्थित होते जा रहे हैं।

कई पार्कों में न तो नियमित सफाई हो रही है और न ही पौधों की देखभाल। नगर निगम द्वारा उद्यानों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए हर साल बजट आवंटित किया जाता है, इसके बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति संतोषजनक नहीं है।

रहवासियों ने मांग की है कि उद्यानों में तैनात कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति अनिवार्य की जाए और अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाऐ।

पांच सौ रुपए लेकर न्यायालय में जमानत देने वाला रिमांड पर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बिजली विभाग के प्रकरण में आरोपी बनाये गये युवक की जमानत देने के लिये 500 रूपये लेकर न्यायालय के साथ छल करने वाला पूछताछ में पकड़ा गया। न्यायालय की ओर से पुलिस को शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने गलत तरीके से जमानत देने वाले को रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू की है।

माधवनगर थाना एसआई अंकित बनोधा ने बताया कि न्यायालय में बिजली विभाग द्वारा बनाये गये प्रकरण में सलमान को आरोपी बनाया था। जिसकी मंगलवार को न्यायालय में पेशी थी। सलमान ने अपनी जमानत के लिये लक्ष्मण पिता मन्ना भूरिया निवासी नौगांव कालिया झाबुआ के नाम की भूअधिकार एवं ऋण पुस्तिका प्रस्तुत करवाई। न्यायालय ने जमानत देने वाले लक्ष्मण से से आरोपी को पहचानने का सवाल किया तो उसने पहचानने से इंकार कर दिया और बताया कि जमानत के लिये उससे पांच सौ रूपये मिले है। न्यायलय के साथ छल करने पर मामले की सूचना माधवनगर पुलिस को मिली। पुलिस ने विशेष एवं पंचम अपर सत्र न्यायाधीश परिसर पहुंचे जमानत देने वाले को हिरासत में लिया और उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 318 (4) का अपराध दर्ज किया। बुधवार को उसे न्यायालय में पेश 1 दिन की पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है। लक्ष्मण से पूछताछ में पता चला कि वह काम की तलाश में आया हुआ है। उसे एक व्यक्ति मिला था, उसने जमानत देने के लिये कहा था और रूपये दिये थे। एसआई बनोधा के अनुसार मामले में जांच की जा रही है। लक्ष्मण से पूछताछ में तथ्य सामने आने पर अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जायेगा।